Samyak
An Institute For Civil Services

द्वि मासिक जुलाई-अगस्त, 2020
समसामयिकी घटनाचक्र

करेंट अफेयर्स

जुलाई-अगस्त, 2020

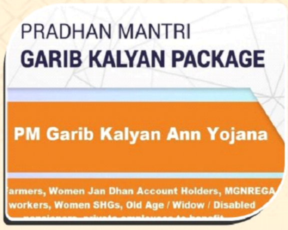

- अंतरराष्ट्रीय
- राष्ट्रीय
- राजस्थान
- सुजस सार
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- खेल जगत

अब
Digital Platform
पर भी

Samyak
An Institute For Civil Services

GET IT ON
Google Play

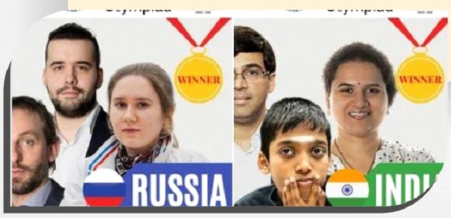

सभी प्रतियोगी परिक्षाओं हेतु उपयोगी

1 अन्तरराष्ट्रीय घटनाक्रम

■ 36वां आसियान शिखर सम्मेलन

आसियान का 36वां शिखर सम्मेलन 26 जून, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सम्पन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता वियतनाम के प्रधानमंत्री न्यूयेन जुआन फुक ने की। इस सम्मेलन का विषय 'Cohesive and Responsive ASEAN' था। उल्लेखनीय है कि यह सम्मेलन अप्रेल, 2020 में वियतनाम के दा नांग में होने वाला था, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

आसियान:- दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों के संगठन 'आसियान' की स्थापना 8 अगस्त, 1967 को बैंकॉक (थाईलैंड) में की गई थी। इसका मुख्यालय इंडोनेशिया के जकार्ता में है। ब्रूनेई के लिम जोक होई वर्तमान में आसियान के महासचिव हैं। इसका उद्देश्य आर्थिक साझेदारी व व्यापार को बढ़ावा देना तथा क्षेत्र में शांति व स्थिरता कायम करना है। इसके 10 सदस्य हैं- थाईलैंड, इण्डोनेशिया, सिंगापुर, मलेशिया, फिलीपींस, वियतनाम, ब्रूनेई, म्यांमार, कम्बोडिया व लाओस।

■ भारत-भूटान के बीच जल विद्युत हेतु समझौता

भारत और भूटान ने 600 मेगावाट की 'खोलोंगछू जल विद्युत परियोजना' के लिए 29 जून, 2020 को समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दोनों देशों की पहली संयुक्त उद्यम परियोजना होगी। यह परियोजना पूर्वी भूटान के त्रशितांगत्सी जिले में प्रवाहित होने वाली खोलोंगछू नदी पर होगी, जिसे वर्ष 2025 तक विकसित करने का लक्ष्य है।

■ भारत-भूटान के बीच नया व्यापारिक मार्ग

भारत तथा भूटान के बीच 16 जुलाई, 2020 को नया व्यापारिक मार्ग खोला गया। पश्चिम बंगाल के जयगांव और भूटान के पसाखा औद्योगिक क्षेत्र के अहल्ये के बीच इस वैकल्पिक व्यापार मार्ग के खुलने पर द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि की उम्मीद है।

■ नेपाल में भारतीय न्यूज चैनल प्रतिबंधित

नेपाल ने 9 जुलाई, 2020 को दूरदर्शन को छोड़कर भारत के सभी न्यूज चैनल को नेपाल में प्रतिबंधित कर दिया। नेपाल के मल्टी न्यूज ऑपरेटर्स का आरोप है कि भारत के ये चैनल ऐसी खबरें दिखा रहे थे जिनसे उनकी राष्ट्रीय भावनाएं आहत हो रही थीं।

■ WHO से अलग हुआ अमेरिका

अमेरिका अब औपचारिक रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation-WHO) से अलग हो गया है। अमेरिका ने 6 जुलाई, 2020 में संयुक्त राष्ट्र को इस फैसले से अवगत करा दिया, जो 6 जुलाई, 2021 से प्रभावी होगा। ट्रम्प सरकार 29 मई, 2020 को ही इस बारे में निर्णय कर चुकी थी। अमेरिका ने इसके पीछे WHO द्वारा कोरोना संक्रमण को शुरुआती तौर पर रोकने में असफल रहने और WHO पर चीन के नियंत्रण का तर्क दिया है।

■ विश्व खाद्य सुरक्षा और पोषण स्थिति रिपोर्ट-2020

संयुक्त राष्ट्र संघ ने 13 जुलाई, 2020 को विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति रिपोर्ट जारी की है। 'सस्ते स्वस्थ आहार के लिए खाद्य प्रणालियों को बदलना' थीम पर आधारित इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2019 में विश्व की लगभग 8.9 प्रतिशत जनसंख्या (690 मिलियन लोग) भूख से प्रभावित रही थी, जो वर्ष 2018 की तुलना में 10 मिलियन अधिक है।

रिपोर्ट के मुख्य तथ्य:-

1. विश्व के लगभग 2 बिलियन लोगों तक सुरक्षित, पोष्टिक और पर्याप्त भोजन की पहुंच नहीं है।
2. विश्व के आधे से ज्यादा कुपोषित एशिया में हैं।
3. कोविड-19 के पश्चात विश्व में कुल कुपोषित लोगों की संख्या में वर्ष 2020 में 132 मिलियन की वृद्धि हो सकती है।
4. वैश्विक स्तर पर भुखमरी और कुपोषण की समस्या के कारण 'जीरो हंगर' के सतत् विकास लक्ष्य (SDG) 2.1 को वर्ष 2030 तक प्राप्त करना मुश्किल हो गया है।
5. भारत में अल्पपोषित लोगों की संख्या वर्ष 2004-09 के 21.7 प्रतिशत (249.4 मिलियन) से घटकर वर्ष 2017-19 में 14 प्रतिशत (189.2 मिलियन) रह गई है।

■ हांगकांग स्वायत्तता कानून : अमेरिका के हस्ताक्षर

चीन द्वारा हांगकांग में लागू किए गए 'राष्ट्रीय सुरक्षा कानून' के विरोध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 14 जुलाई, 2020 को 'हांगकांग स्वायत्तता कानून' पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कानून अमेरिकी प्रशासन को हांगकांग की आजादी समाप्त करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का अधिकार प्रदान करता है। साथ ही अमेरिका ने हांगकांग के साथ तरजीही व्यापार को समाप्त करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर भी हस्ताक्षर किए, जिसके तहत हांगकांग को अब मुख्य भूमि चीन के समान ही माना जाएगा। अतः उसे कोई विशेष आर्थिक छूट नहीं मिलेगी।

यह भी जानें:- वर्ष 1842 में चीन ने 'प्रथम अफीम युद्ध' के शांति समझौते के अंतर्गत 'नानकिंग संधि' के तहत हांगकांग को ब्रिटिश सरकार को सौंप दिया था। वर्ष 1997 में ब्रिटिश सरकार द्वारा हांगकांग चीन को वापस दे दिया गया और हांगकांग चीन के 'विशेष प्रशासनिक क्षेत्रों' का हिस्सा बन गया। हांगकांग में 'बेसिक लॉ' नामक एक लघु संविधान द्वारा प्रशासन का कार्य संपादित होता है, जो हांगकांग में 'एक देश दो प्रणाली' की पुष्टि करता है। वर्ष 1984 की 'चीन–ब्रिटिश संयुक्त घोषणा' के तहत चीन ने वर्ष 1997 से लेकर अगले 50 वर्षों तक हांगकांग की उदार नीतियों, शासन प्रणाली, स्वतंत्र न्यायपालिका और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान करने की घोषणा की थी। इसके तहत विदेश और रक्षा मामलों को छोड़कर हांगकांग को अन्य क्षेत्रों में स्वायत्तता प्रदान की गई है। इसके बाद चीन ने एक समझौते के तहत हांगकांग को विशेष प्रशासनिक क्षेत्र बना दिया। अब 30 जून, 2020 को चीन ने 'राष्ट्रीय सुरक्षा कानून' पारित किया है, जिसको हांगकांग की स्वायत्तता का विरोधी बताया जा रहा है।

हांगकांग प्रत्यर्पण संधि का निलंबन:-चीन ने जुलाई, 2020 में कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ 'हांगकांग प्रत्यर्पण संधि' तथा 'आपराधिक न्याय सहयोग समझौते' के निलम्बन की घोषणा की है।

■ भारत–ईयू का शिखर सम्मेलन

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) का 15वां (आभासी) शिखर सम्मेलन 15 जुलाई, 2020 को सम्पन्न हुआ। भारत का प्रतिनिधित्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तथा यूरोपीय संघ का प्रतिनिधित्व यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन द्वारा किया गया। सम्मेलन के दौरान भारत और ईयू आगामी पांच वर्ष (2020–25) के लिए वैज्ञानिक सहयोग पर आधारित वर्ष 2001 के 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी समझौता' को नवीकृत करने पर सहमत हुए। यह समझौता मई, 2017 में समाप्त हो गया था। दोनों पक्षों ने परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में सहयोग के बारे में 'भारत–यूराटॉम समझौता' पर हस्ताक्षर का स्वागत किया।

यह भी जानें:-यूरोपीय संघ (ईयू) मुख्यतः यूरोप स्थित 27 देशों का राजनीतिक एवं आर्थिक मंच है। इसका गठन वर्ष 1957 में रोम की संधि द्वारा यूरोपीय आर्थिक परिषद के माध्यम से छह यूरोपीय देशों की आर्थिक भागीदारी से हुआ था। वर्ष 1993 में मास्त्रिख संधि द्वारा इसके आधुनिक वैधानिक स्वरूप की नींव रखी गई। यूनाईटेड किंगडम (यूके) 31 जनवरी, 2020 में ईयू से अलग होने वाला अंतिम देश था, जिसके बाद इसके सदस्यों की संख्या 27 रह गई है।

भारत और ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौते (Bilateral Trade and Investment Agreement-BTIA) के लिए वर्ष 2007 में वार्ता शुरू हुई थी, किन्तु इसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है।

■ भारत–इजराइल के बीच साइबर सुरक्षा समझौता

भारत और इजराइल ने साइबर सुरक्षा के लिए 15 जुलाई, 2020 को समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इजराइल के राष्ट्रीय साइबर निदेशालय (INCD) और भारतीय इलैक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की इकाई इण्डियन कम्प्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (CERT) के बीच सहयोग के लिए किया गया है।

■ ECOSOC का वार्षिक उच्च स्तरीय खंड

न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र संघ की आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (Economic and Social Council-ECOSOS) के वार्षिक वर्चुअल उच्च स्तरीय खंड का आयोजन जुलाई, 2020 में किया गया। इस वर्ष 'कोविड–19 के बाद बहुपक्षवाद : 75वीं वर्षगांठ पर हमें किस प्रकार के संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता है' विषयवस्तु वाले इस खंड को 17 जुलाई को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सम्बोधित किया।

बांग्लादेश को सौंपे 10 ब्रॉडगेज इंजन

भारतीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर और रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 27 जुलाई, 2020 को 10 ब्रॉडगेज रेल इंजनों को बांग्लादेश के लिए रवाना किया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में भारत और बांग्लादेश के बीच पार्सल और कंटेनर ट्रेन सेवाओं की शुरुआत की है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार के क्षेत्र में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

मॉरिशस उच्च न्यायालय के नए भवन का शुभारंभ

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ ने 30 जुलाई, 2020 को संयुक्त रूप से मॉरिशस उच्च न्यायालय के नए भवन का लोकार्पण किया। यह मॉरिशस की राजधानी पोर्ट लुईस में भारत की सहायता से बनी पहली बुनियादी ढांचा परियोजना है।

यूएई परमाणु ऊर्जा उत्पादक पहला अरब देश बना

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) परमाणु ऊर्जा का उत्पादन करने वाला पहला देश बन गया है। आबूधाबी के अल-दाफरा क्षेत्र में स्थित बराक संयंत्र ने 1 अगस्त, 2020 से परमाणु ऊर्जा का उत्पादन शुरू कर दिया। दक्षिण कोरिया की टेक्नोलॉजी से युक्त इस संयंत्र से यूएई की 25 प्रतिशत विद्युत जरूरतें पूरी होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में भारतीय शहीदों के लिए युद्ध स्मारक

वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के दौरान शहीद हुए भारतीय सैनिकों के सम्मान में बांग्लादेश में युद्ध स्मारक बनाया जाएगा। बांग्लादेश सरकार ने 7 अगस्त, 2020 को इस सम्बन्ध में घोषणा की। इसके लिए ब्राह्मणबारिया जिले के आशूगंज को चुना गया है।

इजराइल-यूएई के बीच शांति समझौता

पश्चिम एशिया के देशों इजराइल तथा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पुरानी शत्रुता भुलाते हुए 13 अगस्त, 2020 को शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के बाद इजराइल ने वेस्ट बैंक क्षेत्र में बस्ती बसाने की योजना को फिलहाल टाल दिया है।

ब्रिटेन का भारत में नवोन्मेषी चुनौती कोष

कोविड-19 और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में वैज्ञानिकों का समर्थन करने हेतु ब्रिटेन ने 17 अगस्त, 2020 को भारत में तीन मिलियन पाउंड के 'नवोन्मेषी चुनौती कोष' की स्थापना की। यह कोष महाराष्ट्र में 'भावी मोविलिटी क्लस्टर' और कर्नाटक में 'एआई डाटा कलस्टर' के सम्बन्ध में टेक इनोवेटर्स को आमंत्रित करता है ताकि कोविड-19 से निपटने के लिए अनुसंधान और विकास प्रस्तावों को प्रस्तुत किया जा सके अथवा हरित ग्रह की अवधारणा को बढ़ावा दिया जा सके।

संसद के अध्यक्षों का 5वां सम्मेलन

संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से अन्तर संसदीय संघ (आईपीयू), जेनेवा और ऑस्ट्रिया की संसद द्वारा 19-20 अगस्त, 2020 को संयुक्त रूप से संसद के अध्यक्षों के 5वें विश्व सम्मेलन का आयोजन वुर्चअल रूप से किया गया। इस सम्मेलन का विषय था 'पृथ्वी और उसके निवासियों के लिए शांति और सतत् विकास सुनिश्चित करने वाला और अधिक प्रभावी बहुपक्षीय संसदीय नेतृत्व'। यह सम्मेलन बेहतर दुनिया के पुनर्निमाण के लिए बहुपक्षवाद और अन्तरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य के साथ आयोजित किया गया। भारत की ओर से लोकसभाध्यक्ष ओम बिडला ने सम्मेलन में भाग लिया।

चतुष्पक्षीय संवाद

चीन द्वारा अगस्त, 2020 में अफगानिस्तान, नेपाल और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ चतुष्पक्षीय संवाद/वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता में चीन ने COVID-19 महामारी को रोकने, आर्थिक सुधार को बढ़ावा देने और बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को फिर से शुरू करने के लिए चार-सूत्रीय योजना का प्रस्ताव रखा।

हरिकेन 'लौरा'

27 अगस्त, 2020 को हरिकेन लौरा ने संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी-पश्चिमी लुसियाना में भारी तबाही की। तूफान की गति 150 मील प्रति घंटा थी। इसके कारण दक्षिणी-पश्चिमी लुसियाना में भूस्खलन हुआ।

हरिकेन 'हान्ना'

चक्रवात हरिकेन हान्ना 25 जुलाई, 2020 को संयुक्त राज्य अमेरिका के टेक्सास से टकराया। इसकी गति 90 मील प्रति घंटे की रही।

वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (Food and Agriculture Organization-FAO) द्वारा जारी नवीनतम वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन (Global Forest Resources Assessment- FRA) में पिछले एक दशक में वन क्षेत्रों में वृद्धि करने वाले शीर्ष 10 देशों में भारत को तीसरा स्थान मिला है। यह रिपोर्ट सभी सदस्य देशों के लिए वनों का स्तर, उनकी स्थितियों एवं प्रबंधन का आकलन करती है।

FRA-2020 के अनुसार, शीर्ष 10 देशों ने वर्ष 2010-2020 के दौरान वन क्षेत्र में सबसे अधिक औसत वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज किया है जिनमें चीन, ऑस्ट्रेलिया, भारत, चिली, वियतनाम, तुर्की, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, इटली एवं रोमानिया शामिल हैं।

भारत में वनों की स्थिति:- मूल्यांकन के एक दशक के दौरान भारत ने औसतन प्रत्येक वर्ष 0.38% वन लाभ या 2,66,000 हेक्टेयर क्षेत्र की वन वृद्धि दर्ज की। हालांकि FRA 2020 के अनुसार, प्राकृतिक रूप से पुनर्जीवित वन दर निराशाजनक है। FRA 2020 के अनुसार, वर्ष 2010-20 के दौरान प्राकृतिक रूप से पुनर्जीवित वन की वृद्धि दर केवल 0.38% थी।

चर्चित स्थान

श्री सप्तमाई गुरुकुल संस्कृत विद्यालय

भारत और नेपाल के मध्य सीमा विवाद के बीच जुलाई, 2020 में नेपाल के इलाम जिले में 'श्री सप्तमाई गुरुकुल संस्कृत विद्यालय' के नए भवन का उद्घाटन किया गया। इस भवन का उद्घाटन वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया, जिसमें नेपाल के अधिकारी, स्कूल प्रबंधन समिति और नेपाल में भारतीय दूतावास के सदस्य शामिल थे। विद्यालय के नए भवन का निर्माण कुल 3 करोड़ 11 लाख नेपाली रुपए (लगभग 1.94 करोड़ भारतीय रुपए) की लागत से किया गया है।

ब्लू बे मरीन पार्क

मॉरिशस के दक्षिण-पूर्व में स्थित ब्लू बे मरीन पार्क के पास एक जापानी थोक-मालवाहक जहाज में तेल रिसाव से यह क्षेत्र चर्चा में रहा। यह क्षेत्र पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल है। रामसर कन्वेंशन द्वारा इसे अंतरराष्ट्रीय महत्त्व की आद्रभूमि के रूप में नामित किया गया है। प्रवाल भित्तियों, मैन्ग्रोव, समुद्री घास के मैदानों और मैक्रो शैवाल की उपस्थिति इसे पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र बनाती है। तेल के फैलने से मॉरिशस के समुद्र तट की पारिस्थितिकी और हिंद महासागर में समुद्री जीवन को खतरा उत्पन्न हो गया है। तेल के रिसाव ने पहले से ही लुप्तप्राय प्रवाल भित्तियों, उथले पानी में समुद्री घास, मैन्ग्रोव, मछलियों और अन्य जलीय जीवों को खतरे में डाल दिया है।

जीलैंडिया

जीलैंडिया, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व में 2 मिलियन वर्ग मील का एक महाद्वीप है जो आधुनिक न्यूजीलैंड के नीचे है। वैज्ञानिकों ने 1990 के दशक में विशाल जल निकाय के नीचे ठोस स्थल की खोज की थी, जिसे वर्ष 2017 में औपचारिक रूप से 'महाद्वीप' का दर्जा दिया गया। यह पृथ्वी के क्रस्ट के डूबे हुए टुकड़ों का एक समूह है जो लगभग 85 मिलियन वर्ष पहले प्राचीन 'गोंडवाना लैंड' से अलग हो गया था।

चर्चा में क्यों:- भू-वैज्ञानिकों ने हाल ही में जीलैंडिया महाद्वीप का नया मानचित्र जारी किया है। नए मानचित्र में जीलैंडिया की बेथीमेट्री (समुद्र तल का आकार) के साथ-साथ इसके विवर्तनिक इतिहास को भी दिखाया गया है जिसमें दिखाया गया है कि कैसे ज्वालामुखी एवं विवर्तनिक गति ने लाखों वर्षों में इस महाद्वीप को आकार दिया है।

माउंट सिनाबंग

माउंट सिनाबंग इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर स्थित ज्वालामुखी है। अगस्त, 2020 में यह ज्वालामुखी उद्गार के कारण चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि लगभग 400 वर्षों की निष्क्रियता के बाद यह ज्वालामुखी वर्ष 2010 में पुनः सक्रिय हुआ था। वर्ष 2010 के बाद वर्ष 2014 और वर्ष 2016 में भी इस ज्वालामुखी में उद्गार हो चुका है। इंडोनेशिया के 'रिंग ऑफ फायर' या परिप्रशांत महासागरीय मेखला में अवस्थिति होने के कारण यहां कई सक्रिय ज्वालामुखी पाए जाते हैं और यह क्षेत्र भूकंप प्रवण क्षेत्र के अंतर्गत भी आता है।

रिंग ऑफ फायर:-'रिंग ऑफ फायर' या परिप्रशांत महासागरीय मेखला, प्रशांत महासागर के चारों ओर विस्तृत एक ऐसा क्षेत्र है जहां विवर्तनिक प्लेटें आकर आपस में मिलती हैं। यह क्षेत्र निरंतर होने वाली भूकंपीय घटनाओं एवं ज्वालामुखी उद्गार के लिए जाना जाता है। इस 'रिंग ऑफ फायर' क्षेत्र में 17,000 से अधिक द्वीप एवं द्वीप समूह शामिल हैं और इसमें लगभग 130 सक्रिय ज्वालामुखी हैं। इस क्षेत्र में विश्व के लगभग 75% ज्वालामुखी पाए जाते हैं तथा कुल भूकंपीय घटनाओं में से 90% भूकंप इस क्षेत्र में आते हैं।

भाषण चार द्वीप

भाषण चार द्वीप को 'थेंगार चार द्वीप' या चार पिया के रूप में भी जाना जाता है। इस द्वीप का गठन दो दशक पहले बंगाल की खाड़ी में मेघना नदी के मुहाने पर हिमालयन गाद से हुआ था। यह द्वीप 40 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह निर्जन द्वीप दक्षिण-पूर्व बांग्लादेश में हटिया द्वीप से लगभग 30 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। जून, 2015 में बांग्लादेशी सरकार ने इस द्वीप पर रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए निवास-स्थान का प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी द्वारा 'तार्किक रूप से चुनौतीपूर्ण' के रूप में चित्रित किया गया था।

बांग्लादेश में कॉक्स बाजार में बने शरणार्थी शिविरों से भागने की कोशिश कर रहे 300 से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों को नावों द्वारा बचाया गया था, जिसके बाद उन्हें अप्रेल, 2020 में भाषण चार द्वीप पर भेजा गया था। कोविड-19 के मद्देनजर बांग्लादेश अप्रेल, 2020 के बाद भाषण चार द्वीप पर बसे रोहिंग्याओं के मुद्दे को अमल में नहीं ला सका।

चर्चित व्यक्ति

मुफ्ती नूर वली

संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) ने 16 जुलाई, 2020 को पाकिस्तान के आतंकी संगठन 'तहरीक-ए पाकिस्तान' के नेता मुफ्ती नूर वली को वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित किया है। UNO ने नूर वली को सितम्बर, 2019 में आतंकवादी घोषित किया था।

शशांक मनोहर

शशांक मनोहर ने 1 जुलाई, 2020 को अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन पद से त्यागपत्र दे दिया। उन्होंने 22 नवम्बर, 2015 को यह पदभार ग्रहण किया था। आईसीसी ने नए चेयनमैन की नियुक्ति होने तक डिप्टी चेयरमैन हांगकांग के इमरान ख्वाजा को अन्तरिम चेयरमैन बनाया है।

शिंजो आबे

जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उन्होंने 28 अगस्त को इसका औपचारिक रूप से ऐलान किया। आबे जापान के सबसे अधिक समय तक रहने वाले प्रधानमंत्री बन गए थे।

नियुक्ति

चंद्रिका प्रसाद संतोखी

भारतवंशी चन्द्रिका प्रसाद संतोखी 13 जुलाई, 2020 को लैटिन अमेरिकी देश सूरीनाम के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्होंने इस पद पर पूर्व सैन्य तानाशाह डेसी बॉउटर्स का स्थान लिया है। बॉउटर्स ने वर्ष 1980 में निर्वाचित सरकार का तख्तापलट किया था। सूरीनाम में मई, 2020 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव हुए थे।

लाजारस चकवेरा

लाजारस चकवेरा ने 28 जून, 2020 को मलावी के राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने इस पद पर पीटर मुथारिका का स्थान लिया है।

गुडनी जोहान्सन

गुडनी जोहान्सन आइसलैंड के राष्ट्रपति पद पर जून, 2020 में पुनर्निवाचित हुए हैं। चार वर्ष के लिए उनका दूसरा कार्यकाल 01 अगस्त, 2020 से शुरू होगा। जोहान्सन ने चुनाव में 92.2 प्रतिशत मत प्राप्त कर प्रतिद्वंद्वी गुदमुंदुर फ्रैंकलिन जोंसन को हराया।

एंड्रेज डुडा

एंड्रेज डुडा जुलाई, 2020 में पोलैण्ड के राष्ट्रपति के रूप में पुनः निर्वाचित हुए हैं। इस पद के लिए हुए चुनाव में डुडा ने 51.03 प्रतिशत मत प्राप्त कर प्रतिद्वंद्वी वारसॉ मेयर राफेल ट्रजस्कोस्की को हराया।

मिशेल मार्टिन

आयरलैंड की संसद ने 27 जून, 2020 को फियाना फेल पार्टी के नेता मिशेल मार्टिन को देश का नया प्रधानमंत्री (ताओसीच) चुना है। उन्होंने इस पद पर भारतीय मूल के लियो वरडकर का स्थान लिया है।

जीन कैस्टेक्स

जीन कैस्टेक्स ने 3 जुलाई, 2020 को फ्रांस के नए प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने इस पद पर एडौर्ड फिलिप का स्थान लिया, जिन्होंने इस्तीफा दे दिया था। उल्लेखनीय है कि इमैनुएल मैक्रों वर्तमान में फ्रांस के राष्ट्रपति हैं।

जयंत कृष्णा

'ब्रिटेन–भारत व्यापार परिषद' ने जयंत कृष्णा को मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। जयंत इस पद पर नियुक्त होने वाले पहले भारतीय हैं। उन्होंने 3 अगस्त, 2020 को रिचर्ड हील्ड से पदभार ग्रहण किया।

हिचेम मेचीची

हिचेम मेचीची को जुलाई, 2020 में ट्यूनीशिया का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। उन्होंने इस पद पर एलिस फखफख का स्थान लिया है।

वाल्टर रोजर मार्टोज रूइज

पेरू के पूर्व रक्षामंत्री वाल्टर रोजर मार्टोज रूइज ने 6 अगस्त, 2020 को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। उन्होंने इस पद पर पेड्रो कैटेरियानों का स्थान लिया है।

मोहम्मद ऑल्ड बिलाल

मोहम्मद ऑल्ड बिलाल ने 6 अगस्त, 2020 को मॉरिटानिया के नए प्रधानमंत्री का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने इस पद पर इस्माइल ऑल्ड शेख सिदिया का स्थान लिया है।

महिंदा राजपक्षे

श्रीलंका पीपुल्स पार्टी के नेता मंहिदा राजपक्षे ने 9 अगस्त, 2020 को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। मंहिदा राजपक्षे को उनके छोटे भाई श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने शपथ दिलाई। वे चौथी बार देश के प्रधानमंत्री बने हैं।

अरुण कुमार

रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक अरुण कुमार को पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय रेलवे संघ के सिक्योरिटी प्लेटफॉर्म का उपाध्यक्ष नामित किया गया है। वे अब वैश्विक रेल नीति निर्माण में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय रेलवे संघ:- अंतरराष्ट्रीय रेलवे संघ एक वैश्विक पेशेवर संघ है। यह दुनियाभर में रेलवे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है और रेल परिवहन को बढ़ावा देने का कार्य करता है। इसकी स्थापना 17 अक्टूबर, 1922 को 29 देशों के मात्र 51 सदस्यों के साथ हुई थी और वर्तमान में विश्व के लगभग सभी देश इस वैश्विक पेशेवर संघ के सदस्य हैं। इसका लक्ष्य विश्व स्तर पर रेल परिवहन को बढ़ावा देना और गतिशीलता एवं सतत् विकास की वर्तमान तथा भविष्य की चुनौतियों को पूरा करना है।

जिन लिक्यून

जिन लिक्यून को जुलाई, 2020 में दूसरे कार्यकाल के लिए चीन स्थित 'एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक' (Asian Infrastructure Investment Bank- AIIB) के अध्यक्ष पद हेतु पुनः निर्वाचित किया गया है। उनका कार्यकाल पांच वर्षों का होगा।

यह भी जानें:-AIIB एशिया में सामाजिक और आर्थिक परिणामों को बेहतर बनाने के मिशन के साथ एक बहुपक्षीय विकास बैंक है। AIIB की स्थापना वर्ष 2016 में हुई थी। भारत इसके 57 संस्थापक सदस्यों में से एक है। इसका मुख्यालय बीजिंग (चीन) में है। वर्तमान में इसके सदस्यों की कुल संख्या 103 है। भारत, AIIB में चीन (26.06%) के बाद दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक (7.62% वोटिंग शेयर के साथ) है।

माली में सैन्य तख्तापलट

माली में अगस्त, 2020 में सेना ने तख्तापलट करते हुए राष्ट्रपति इब्राहिम बाउबकर कीता और प्रधानमंत्री बुबौ सिसे को राजधानी बामको में गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद राष्ट्रपति ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

निधन

जॉन ह्यूम

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और उत्तरी आयरलैंड के राजनीतिज्ञ जॉन ह्यूम (83) का 03 अगस्त, 2020 को निधन हो गया है। वे वर्ष 1970 में सोशल डेमोक्रेटिक एंड लेबर पार्टी के संस्थापक सदस्य बने और वर्ष 1979 से वर्ष 2001 तक पार्टी का नेतृत्त्व भी किया। जॉन ह्यूम ने क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए शुरू हुई वार्ता में एक प्रमुख भूमिका निभाई, जिसके कारण वर्ष 1998 में गुड फ्राइडे समझौता हुआ था। इसी समझौते के कारण उत्तरी आयरलैंड में तीन दशकों की हिंसा समाप्त हुई थी।

पुरस्कार

■ नेल्सन मंडेला पुरस्कार 2020

वर्ष 2020 का नेल्सन मंडेला पुरस्कार गिनी के डॉक्टर मोरिसाना कॉयेट और ग्रीस की मारियाना वर्दिनॉयनिस को प्रदान किया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा अध्यक्ष तिजानी मुहम्मद बंदे ने 17 जुलाई को इसकी घोषणा की।

यह भी जानें:-नेल्सन मंडेला पुरस्कार की स्थापना जून, 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव द्वारा की गई थी। यह पुरस्कार मानवता की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर देने वाले एक पुरुष व एक महिला को हर पांच वर्ष में प्रदान किया जाता है।

■ ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड 2020

टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चन्द्रशेखरन और लॉकहीड मार्टिन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अध्यक्ष जिम ताइक्लेट को वर्ष 2020 के 'यूएस-इण्डिया बिजनेस काउंसिल' ग्लोबल लीडरशिप अवॉर्ड के लिए चुना गया है।

■ के.सिवान को वॉन कर्मन पुरस्कार

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष कैलासादिवु सिवान को वर्ष 2020 के लिए इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ एस्ट्रोनॉटिक्स, पेरिस द्वारा 'वॉन कर्मन पुरस्कार' से सम्मानित किए जाने की घोषणा जुलाई, 2020 में की गई। सिवान को मार्च, 2021 में पेरिस में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रो. यू.आर. राव और डॉ. के. कस्तूरीरंगन के बाद वे यह पुरस्कार पाने वाले तीसरे भारतीय होंगे।

■ डायना पुरस्कार

दिल्ली की फ्रेया ठकराल (13) को वर्ष 2020 के डायना पुरस्कार के लिए चुना गया है जो वेल्स की राजकुमारी डायना की जयंती पर युवाओं के मानवीय प्रयासों के लिए दिया जाने वाला सम्मान है। फ्रेया को यह पुरस्कार 'रिसाइकलर एप' विकसित करने के लिए दिया जा रहा है, जो वेब-आधारित मोबाइल एप्लिकेशन उपयोगकर्ताओं को अपशिष्ट-संचालकों से जोड़ने का काम करता है।

यह भी जानें:- राजकुमारी डायना के दो बेटों 'प्रिंस विलियम' और 'प्रिंस हैरी' द्वारा समर्थित डायना अवार्ड चैरिटी द्वारा प्रदत्त यह पुरस्कार 9–25 वर्ष की आयु के युवाओं को उनके सामाजिक अथवा मानवीय कार्य के लिए प्रदान किया जाता है।

चर्चित पुस्तकें

- **मेरा युद्ध, कैंसर विरुद्ध** - डॉ. जसवंत राठी (राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 11 जुलाई, 2020 को विमोचन किया)
- **ए सांग ऑफ इण्डिया** - रस्किन बॉन्ड
- **ओवरड्राफ्ट : सेविंग द इंडियन सेवर** - उर्जित पटेल
- **बर्नट शुगर** - अवनी दोशी
- **द मिरर एंड द लाइट** - हिलेरी मेंटल

प्रमुख दिवस/सप्ताह/वर्ष

जुलाई

- 01 जुलाई – राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस
- 02 जुलाई – विश्व यूएफओ दिवस
- 04 जुलाई – संयुक्त राज्य अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस
- 04 जुलाई – अन्तरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस
- 11 जुलाई – विश्व जनसंख्या दिवस
- 15 जुलाई – विश्व युवा कौशल दिवस
- 26 जुलाई – कारगिल विजय दिवस

अगस्त

♦ **1-7 अगस्त**	विश्व स्तनपान सप्ताह
♦ **3 अगस्त**	संस्कृत दिवस
♦ **7 अगस्त**	राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस
♦ **9 अगस्त**	विश्व आदिवासी कल्याण दिवस
♦ **10 अगस्त**	विश्व जैव ईंधन दिवस
♦ **12 अगस्त**	विश्व युवा दिवस
♦ **13 अगस्त**	विश्व अंगदान दिवस
♦ **19 अगस्त**	विश्व फोटोग्राफी दिवस
♦ **20 अगस्त**	भारतीय अक्षय ऊर्जा दिवस
♦ **26 अगस्त**	विश्व संस्कृत दिवस
♦ **29 अगस्त**	राष्ट्रीय खेल दिवस

2 राष्ट्रीय घटनाक्रम

■ भारतीय नौसेना का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र

भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला में स्थापित किए गए नौसेना के सबसे बड़े सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन 22 जुलाई, 2020 को दक्षिणी नौसेना कमान के वाइस एडमिरल अनिल कुमार चावला ने किया। 3 मेगावाट क्षमता के इस संयंत्र का जीवनकाल 25 वर्ष अनुमानित है।

■ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 8 जुलाई, 2020 को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) को पांच माह (जुलाई से नवम्बर, 2020) के लिए विस्तार की मंजूरी प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सम्बन्ध में 30 जून, 2020 को घोषणा की थी।

■ उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू

20 जुलाई, 2020 से देश में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम -2019 लागू हो गया। इसने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 का स्थान लिया है। केन्द्र सरकार ने इस सम्बन्ध में 16 जुलाई, 2020 को नोटिफिकेशन जारी किया था।

ये नए प्रावधान:- 1. नए कानून के तहत उपभोक्ता अब किसी भी उपभोक्ता न्यायालय में मामला दर्ज करा सकेगा। 2. उपभोक्ताओं के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा के लिए केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण की स्थापना की जाएगी। 3. अधिनियम के तहत ई-कॉमर्स प्लेटफार्म के अनुचित व्यापार चलन को रोकने के लिए नियम भी शामिल किए जाएंगे। इसके तहत ई-कॉमर्स प्लेटफार्म को 48 घंटे के भीतर उपभोक्ता को शिकायत प्राप्ति की सूचना देनी होगी और एक माह में उसका निस्तारण करना होगा।

■ संकल्प पर्व

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने 28 जून से 12 जुलाई, 2020 के बीच 'संकल्प पर्व' नाम से वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस दौरान मंत्रालय के सभी अधीनस्थ कार्यालय परिसरों में पौधारोपण किया गया।

■ भारत की पहली ई-लोक अदालत

कोविड-19 महामारी के बीच छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पी.आर. रामचन्द्र मेनन ने 11 जुलाई, 2020 को देश की पहली राज्य स्तरीय ई-लोक अदालत का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्यभर में 195 खंडपीठों का गठन कर एक ही दिन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 2270 मामले सुलझाए गए।

■ ऑपरेशन समुद्र सेतु

कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय नागरिकों को विदेश से वापस लाने के लिए 5 मई, 2020 को शुरू किए गए 'ऑपरेशन समुद्र सेतु' का 8 जुलाई, 2020 को समापन हुआ। इस दौरान समुद्र मार्ग से 3992 भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाया गया।

■ देश की पहली किसान रेल

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने 7 अगस्त, 2020 को देश की पहली किसान रेल 'देवलाली-दानापुर किसान रेल' को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाई। उल्लेखनीय है कि आम बजट 2020-21 में दूध, मांस और मछली सहित जल्द खराब होने वाले खाद्य पदार्थों की निर्बाध आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने के लिए किसान ट्रेनें शुरू किए जाने की घोषणा की गई थी।

■ राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी के गठन को मंजूरी

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 19 अगस्त, 2020 को राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी (National Recruitment Agency-NRA) के गठन को लेकर अपनी मंजूरी दे दी है। इस एजेंसी के गठन का प्रस्ताव वित्त मंत्री ने बजट भाषण 2020 में प्रस्तुत किया था। केन्द्र सरकार की नौकरियों में आवेदन करने वालों को अब एक ही परीक्षा Common Eligibility Test-CET देनी पड़ेगी। CET वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) और बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान (आईबीपीएस) द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रथम स्तर की परीक्षा को अब एक साथ सम्मिलित करने के लिए यह एजेंसी CET लेगी।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 - इंदौर चौथी बार प्रथम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अगस्त, 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 'स्वच्छ सर्वेक्षण-2020' के 5वें संस्करण के परिणामों की घोषणा की। मध्यप्रदेश के इंदौर ने लगातार चौथी बार सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार जीता, जबकि गुजरात के सूरत को दूसरा तथा महाराष्ट्र के नवी मुम्बई को तीसरा स्थान मिला। कुल 6 शहरों (इंदौर, अम्बिकापुर, नवी मुम्बई, सूरत, राजकोट और मैसूर) को 5 स्टार शहरों, 86 शहरों को 3-स्टार शहरों तथा 64 शहरों को 1-स्टार शहरों के रूप में दर्जा दिया गया है। छत्तीसगढ़ ने 100 से अधिक यूएलबी श्रेणी में सबसे स्वच्छ राज्य का पुरस्कार जीता, जबकि झारखंड ने 100 से कम यूएलबी श्रेणी में सबसे स्वच्छ राज्य का पुरस्कार जीता

विभिन्न श्रेणियों में रैंकिंग :-

◆ **10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर -**

शहर का नाम	स्थान
इंदौर	(1)
सूरत	(2)
नवी मुम्बई	(3)
विजयवाड़ा	(4)
अहमदाबाद	(5)
राजकोट	(6)
भोपाल	(7)
चण्डीगढ़	(8)
विशाखापत्तनम	(9)
वडोदरा	(10)

◆ **1-10 लाख जनसंख्या वाले शहर -**

शहर का नाम	स्थान
अम्बिकापुर	(1)
मैसूर	(2)
नई दिल्ली	(3)
चंद्रपुर	(4)
खारगोन	(5)
तिरूपति	(6)
जमशेदपुर	(7)
गांधीनगर	(8)
धुले	(9)
राजनंदगांव	(10)

◆ **कैंटेनमेंट बोर्ड -**

शहर का नाम	स्थान
जालंधर, पंजाब	(1)
देहली कैंट	(2)
मेरठ	(3)
लैंसडाउन कैंट, उत्तराखंड	(4)
वाराणसी कैंट	(5)

◆ **राज्य रैंकिंग -**

शहर का नाम	स्थान
झारखंड	(1)
हरियाणा	(2)
उत्तराखंड	(3)
सिक्किम	(4)
असम	(5)
हिमाचल प्रदेश	(6)
गोवा	(7)
तेलंगाना	(8)
नगालैंड	(9)
मणिपुर	(10)

◆ **गंगा शहर (50,000 से कम जनसंख्या) -**

शहर का नाम	स्थान
चुनार	(1)
बिठूर	(2)
गौचेर	(3)
जोशीमठ	(4)
रुद्रप्रयाग	(5)

◆ **यूएलबी एक लाख से ज्यादा जनसंख्या वाले शहर -**

शहर का नाम	स्थान
इंदौर	(1)
सूरत	(2)
नवी मुम्बई	(3)
अम्बिकापुर	(4)
मैसूर	(5)

◆ **यूएलबी एक लाख से कम जनसंख्या वाले शहर -**

शहर का नाम	स्थान
खरद, महाराष्ट्र	(1)
ससवाद, महाराष्ट्र	(2)
लोनवाला, महाराष्ट्र	(3)
नवांशहर, पंजाब	(4)
पन्हाला, महाराष्ट्र	(5)

74वें स्वतंत्रता दिवस पर पीएम की घोषणाएं

74वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से देश को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निम्न घोषणाएं कीः-

1. देश में नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन शुरू किया जाएगा। इसके तहत प्रत्येक भारतीय नागरिक को एक हेल्थ कार्ड मिलेगा, जिसमें उसकी बीमारी, हर जांच रिपोर्ट, दी गई दवाईयों आदि का विवरण होगा।

2. गांवों तक इंटरनेट की पहुंच सुगम बनाने के लिए देश के सभी 6 लाख से अधिक गांवों को आगामी 1000 दिनों में ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा जाएगा।

3. प्रोजेक्ट टाइगर की तरह देश में जल्द ही प्रोजेक्ट लॉयन और प्रोजेक्ट डॉल्फिन शुरू किया जाएगा।

अभिनव उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग

उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने 18 अगस्त, 2020 को 'अभिनव उपलब्धियों पर संस्थानों की अटल रैंकिंग-2020' की वर्चअल घोषणा की। रैंकिंग में संस्थानों को दो विस्तृत श्रेणियों व छह उप श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

पूर्णतः महिलाओं के लिए उच्च शिक्षा संस्थानः-
(सरकार अथवा सरकारी सहायता प्राप्त)

रैंक	संस्थान	राज्य
1	अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वुमन	तमिलनाडु
2	इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्नीकल यूनिवर्सिटी फॉर वुमन	दिल्ली

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालयः-

रैंक	संस्थान
1	आईआईटी मद्रास (चेन्नई)
2	आईआईटी बॉम्बे
3	आईआईटी दिल्ली
4	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलूरु
5	आईआईटी खड़गपुर
6	आईआईटी कानपुर
7	आईआईटी मडी
8	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कालीकट
9	आईआईटी रुडकी
10	यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद

सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज/संस्थानः-

रैंक	संस्थान
1	कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे
2	पीईएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कर्नाटक
3	कोयम्बटूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, तमिलनाडु
4	श्री गुरु गोविंद सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, महाराष्ट्र
5	पीएसजीआर कृष्णामल कॉलेज फॉर वुमन, तमिलनाडु

सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयः-

रैंक	संस्थान	राज्य
1.	इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी	महाराष्ट्र
2.	पंजाब यूनिवर्सिटी	चण्डीगढ़
3.	चौधरी चरणसिंह हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी	हरियाणा

प्राइवेट या स्ववित्तपोषित विश्वविद्यालयः-

रैंक	संस्थान	राज्य
1.	कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डस्ट्रियल टेक्नोलॉजी खोरधा	ओडिशा
2.	एस.आर.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	तमिलनाडु
3.	वेल्लौर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	तमिलनाडु

प्राइवेट या स्ववित्तपोषित कॉलेज/संस्थानः-

रैंक	संस्थान	राज्य
1.	एस.आर. इंजीनियरिंग कॉलेज	तेलंगाना
2.	जी.एच. रायसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर	महाराष्ट्र
3.	श्री कृष्णा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	तमिलनाडु

नीति आयोग आकांक्षी जिला रैंकिंग

नीति आयोग ने फरवरी-जून, 2020 की अवधि के लिए आकांक्षी जिलों की डेल्टा रैंकिंग जुलाई, 2020 में जारी की। यह रैंकिंग स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचा जैसे विकास क्षेत्रों के आधार पर प्रदान की गई है।

रैंकिंग में शीर्ष 5 स्थान प्राप्तकर्ता जिले:-

जिला	रैंक
बीजापुर, छत्तीसगढ़	(1)
रि-भोई, मेघालय	(2)
बहराइच, यूपी	(3)
नवादा, बिहार	(4)
मोगा, पंजाब	(5)

यह भी जानें:- केन्द्र सरकार ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम जनवरी, 2018 में शुरू किया था। इसका उद्देश्य सामाजिक क्षेत्रों में पीछे रह गए और अल्प विकसित श्रेणी में आने वाले जिलों को विकास के रास्ते पर लाना है।

■ गंदगी मुक्त भारत अभियान

स्वच्छता के लिए 8-15 अगस्त, 2020 के दौरान 'गंदगी मुक्त भारत' अभियान देशभर में चलाया गया। अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 8 अगस्त को की।

■ 6वीं अनुसूची

भारतीय संविधान की 6वीं अनुसूची चार पूर्वोत्तर राज्यों असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के लिए इन राज्यों में जनजातीय लोगों के अधिकारों की रक्षा करने का प्रावधान करती है। यह विशेष प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 244 (2) और अनुच्छेद 275 (1) के तहत प्रदान किया गया है। राज्यपाल को जिले के क्षेत्रों को बढ़ाने या घटाने अथवा स्वायत्त जिलों के नाम में परिवर्तन कर सकने की शक्ति प्राप्त है। उपर्युक्त राज्यों में जनजातियों द्वारा राज्यों के अन्य लोगों की जीवन शैली को बहुत अधिक आत्मसात नहीं किया गया है। इन क्षेत्रों में अभी भी नृवैज्ञानिक प्रतिरूपों की उपस्थिति है। संविधान सभा द्वारा गठित बोरदोलोई समिति की रिपोर्टों के आधार पर 6वीं अनुसूची को पूर्वोत्तर के आदिवासी क्षेत्रों को सीमित स्वायत्तता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था। इस रिपोर्ट में मैदानी इलाकों के लोगों के शोषण से इन आदिवासी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए तथा उनके विशिष्ट सामाजिक रीति-रिवाजों के संरक्षण का आह्वान किया गया।

चर्चा में क्यों:-अरूणाचल प्रदेश विधानसभा ने अगस्त, 2020 में प्रदेश को संविधान की छठी अनुसूची के अधीन लाने से संबंधित प्रस्ताव पारित किया है। अरूणाचल प्रदेश विधानसभा ने राज्य के जनजातीय समुदाय की पहचान बचाए रखने के लिए संविधान की छठी अनुसूची में जरूरी संशोधन करने से संबंधित एक प्रस्ताव पारित किया है।

■ लोकमान्य तिलक की 100वीं पुण्यतिथि

01 अगस्त, 2020 को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की 100वीं पुण्यतिथि थी। इस अवसर पर 'भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद' द्वारा वेबिनार का आयोजन किया गया।

यह भी जानें:- लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक का जन्म 23 जुलाई, 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। ये पेशे से वकील थे। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय इन्होंने 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा' का नारा दिया। लोकमान्य तिलक, वर्ष 1890 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए। लाला लाजपत राय तथा बिपिन चंद्र पाल के साथ ये लाल-बाल-पाल की तिकड़ी (गरम दल/उग्रपंथी दल) का हिस्सा थे। एक अंग्रेजी पत्रकार वेलेंटाइन चिरोल द्वारा लिखित पुस्तक 'इंडियन अनरेस्ट' में तिलक को भारतीय अशांति का जनक कहा गया है। तिलक ने अप्रेल 1916 में बेलगाम में अखिल भारतीय होम रूल लीग की स्थापना की। राष्ट्रवादी संघर्ष में हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधित्व के तौर पर तिलक तथा अखिल भारतीय मुस्लिम लीग की तरफ से मोहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ पैक्ट पर हस्ताक्षर किए। इन्होंने मराठी भाषा में 'केसरी' तथा अंग्रेजी भाषा में 'मराठा' नामक समाचार पत्रों का प्रकाशन किया तथा वेदों पर 'गीता रहस्य' और 'आर्कटिक होम' नामक पुस्तकें लिखीं।

■ विश्व उर्दू सम्मेलन

राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद द्वारा दो दिवसीय 'विश्व उर्दू सम्मेलन' का आयोजन 27-28 अगस्त, 2020 को नई दिल्ली में आभासी रूप से किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि अगले वर्ष से 'राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद' द्वारा उर्दू लेखकों एवं साहित्यकारों को उर्दू को प्रोत्साहित करने के लिए अमीर खुसरो, मिर्जा गालिब, आगा हशर, राम बाबू सक्सेना एवं दया शंकर नसीम जैसी उर्दू की महत्त्वपूर्ण हस्तियों के नाम पर पुरस्कार एवं सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

मंदिर वास्तुकला की नागर शैली

'नागर' शब्द 'नगर' से बना है। सर्वप्रथम नगरों के निर्माण में इस शैली के प्रयोग होने के कारण इसे मंदिर वास्तुकला की नागर शैली कहते हैं। यह संरचनात्मक मंदिर स्थापत्य की एक शैली है जो हिमालय से लेकर विंध्य पर्वत तक के क्षेत्रों में प्रचलित थी। इसे 8वीं से 13वीं शताब्दी के बीच उत्तर भारत के मौजूदा शासकों द्वारा पर्याप्त संरक्षण दिया गया। नागर शैली की पहचान-विशेषताओं में समतल छत से उठती हुई शिखर की प्रधानता पाई जाती है। इसे अनुप्रस्थिका एवं उत्थापन समन्वय भी कहा जाता है। नागर शैली के मंदिर आधार से शिखर तक चतुष्कोणीय होते हैं। इस शैली में बने मंदिरों को ओडिशा में 'कलिंग', गुजरात में 'लाट' और हिमालयी क्षेत्र में 'पर्वतीय' कहा गया है। नागर शैली की कई उपशैली भी हैं जैसे-पाल उपशैली, ओडिशा उपशैली, खजुराहो उपशैली, सोलंकी उपशैली।

चर्चा में क्यों:-अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, मंदिर वास्तुकला की नागर शैली में किया जाएगा जिसमें पांच गुंबद होंगे।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत सरकार की राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन संबंधी प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत खोले गए बैंक खातों की संख्या 40 करोड़ के पार पहुंच गई है। सरकार द्वारा जारी हालिया आंकड़े बताते हैं कि इस योजना के तहत लाभार्थियों की कुल संख्या 40.05 करोड़ हो गई है और जन धन बैंक खातों में जमा कुल राशि 1.50 लाख करोड़ रुपए से भी अधिक है। गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा इस योजना की शुरुआत 28 अगस्त, 2014 को देश के आम नागरिकों को बैंकिंग सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। इस प्रकार योजना के छह वर्ष पूरे होने में भी अभी कुछ समय शेष है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना वित्तीय समावेशन संबंधी एक राष्ट्रीय मिशन है, जिसमें देश के सभी परिवारों के व्यापक वित्तीय समावेशन हेतु एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया गया है।

अपस्पा

गृह मंत्रालय ने सशस्त्र बल (विशेषाधिकार) अधिनियम 1958 की धारा 3 के तहत प्राप्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए छह माह की अवधि के लिए असम को 'अशांत क्षेत्र' घोषित कर दिया है। यह अवधि 28 अगस्त से प्रभावी हुई। केंद्र सरकार राज्यपाल की रिपोर्ट के आधार पर किसी राज्य या क्षेत्र को अशांत घोषित कर वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात करती है। विभिन्न धार्मिक, नस्लीय, भाषायी, क्षेत्रीय समूहों, जातियों, समुदायों के बीच मतभेद या विवादों के चलते राज्य या केंद्र सरकार किसी क्षेत्र को अशांत घोषित करती है।

राष्ट्रीय कैडेट कॉर्प्स

राष्ट्रीय कैडेट कॉर्प्स (NCC) का गठन वर्ष 1948 में एच. एन. कुंजरु समिति-1946 की सिफारिश पर किया गया था। NCC रक्षा मंत्रालय के दायरे में आता है और इसका नेतृत्व थ्री स्टार सैन्य रैंक के महानिदेशक करते हैं। यह हाई स्कूल और कॉलेज स्तर पर कैडेटों का नामांकन करता है तथा विभिन्न चरणों के पूरा होने पर प्रमाण पत्र भी प्रदान करता है। NCC कैडेट विभिन्न स्तरों पर बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं और इसमें सशस्त्र बलों तथा उनके कामकाज से संबंधित शैक्षणिक पाठ्यक्रम की बुनियादी बातें भी शामिल हैं।

चर्चा में क्यों:-रक्षा मंत्रालय ने सीमावर्ती और तटीय जिलों में NCC के विस्तार के प्रस्ताव को अगस्त, 2020 में मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में NCC के विस्तार की घोषणा की थी। NCC का पुनर्गठन वर्ष 2016 में लेफ्टिनेंट जनरल डी. बी. शेकतकर (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञों की समिति की प्रमुख सिफारिशों में से एक था।

सप्लाई चैन रेजीलिएंस इनीशिएटिव

भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया का चीन के आक्रामक राजनीतिक और सैन्य व्यवहार के मद्देनजर चीन पर अपनी निर्भरता को कम करने के लिए एक त्रिपक्षीय 'सप्लाई चैन रेजीलिएंस इनीशिएटिव' (Supply Chain Resilience Initiative-SCRI) शुरू करने के प्रस्ताव पर विचार है। ध्यातव्य है कि चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और कोरोना वायरस के तीव्र प्रसार के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के समक्ष एक बड़ी बाधा उत्पन्न हो गई है, इसी बाधा को समाप्त करने के उद्देश्य से सर्वप्रथम जापान ने सप्लाई चैन रेजीलिएंस इनीशिएटिव शुरू करने का विचार प्रस्तुत किया था।

नमामि गंगे परियोजना

केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2014 में नमामि गंगे परियोजना शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य गंगा नदी के प्रदूषण को कम करने तथा गंगा नदी को पुनर्जीवित करना है। योजना का क्रियान्वयन केंद्रीय जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

चर्चा में क्यों:- विश्व बैंक द्वारा जुलाई, 2020 में 300 करोड़ रुपए (400 बिलियम डॉलर) की 'नमामि गंगे परियोजना' को 45 अरब रुपए के फंड/ऋण को मंजूरी दी गई है। 45 अरब रुपए का यह ऋण विश्व बैंक द्वारा पांच वर्ष की अवधि के लिए मंजूर किया गया है।

देश का पहला प्लाज्मा बैंक

दिल्ली स्थित 'यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान' में भारत के प्रथम प्लाज्मा बैंक की शुरुआत की गई है। कोरोना महामारी के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी की उपयोगिता को देखते हुए दिल्ली में इस प्लाज्मा बैंक की शुरुआत की गई है।

आपराधिक कानून में सुधार के लिए समिति

गृह मंत्रालय ने आपराधिक कानून में सुधार के लिए राष्ट्रीय स्तर की समिति का गठन किया है। आपराधिक कानून में सुधार के लिए गठित की गई राष्ट्रीय स्तर की समिति में दिल्ली की 'नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी' के कुलपति रणबीर सिंह सहित न्यायिक क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। यह समिति विशेषज्ञों के साथ परामर्श करके अपनी रिपोर्ट के लिए ऑनलाइन राय एकत्रित करेगी। रिपोर्ट की यह प्रक्रिया 4 जुलाई, 2020 से शुरू होगी और अगले तीन महीने तक चलेगी।

इंडिया आइडियाज समिट

इंडिया आइडियाज समिट का आयोजन 21-22 जुलाई, 2020 को किया गया। अमेरिका-भारत व्यापार परिषद (USIBC) द्वारा आयोजित इस समिट को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सम्बोधित किया। सम्मेलन की थीम 'बेहतर भविष्य का निर्माण' रही।

उद्देश्य:-इस समिट का आयोजन प्रत्येक वर्ष USIBC द्वारा मुख्य तौर पर भारत और अमेरिका की आर्थिक भागीदारी और दोनों देशों के बीच समग्र द्विपक्षीय संबंधों के महत्व को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया जाता है।

USIBC:-अमेरिका और भारतीय सरकारों के अनुरोध पर वर्ष 1975 में गठित अमेरिका-भारत व्यापार परिषद दोनों देशों के बीच एक प्रमुख व्यवसायिक संगठन है, जिसमें 300 से अधिक शीर्ष स्तरीय अमेरिकी और भारतीय कंपनियां शामिल हैं, जो अमेरिका-भारत के व्यापारिक संबंधों को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य रही हैं। USIBC का मुख्य उद्देश्य भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देना है। इसका लक्ष्य भारत और अमेरिका के बीच एक समावेशी द्विपक्षीय व्यापार तंत्र का निर्माण करना है, ताकि दोनों देशों में उद्यमिता की भावना को पोषित किया जा सके और रोजगार सृजित किया जा सकें।

बाघ संगणना-2018 की विस्तृत स्थिति रिपोर्ट

'केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री' द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस' के अवसर पर 29 जुलाई, 2020 को 'बाघ संगणना-2018' की विस्तृत स्थिति रिपोर्ट जारी की गई।

प्रमुख तथ्य:-

1. वर्ष 2006-2018 के बीच भारत में बाघों की संख्या में प्रतिवर्ष 6 प्रतिशत की वृद्धि दर हुई है।
2. वर्ष 2014 की तुलना में वर्ष 2018 में बाघों की संख्या में लगभग 33% की वृद्धि दर्ज की गई है।
3. वैश्विक बाघों की आबादी की लगभग 70 प्रतिशत भारत में है।
4. पश्चिमी घाट, लगभग 724 बाघों की संख्या के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सतत् बाघ आबादी वाला क्षेत्र है। इसमें सतत् क्षेत्र नागरहोल-बांदीपुर-वायनाड-मुदुमलाई-सत्यमंगलम-बीआरटी ब्लॉक शामिल हैं।
5. बाघों की सबसे अधिक संख्या मध्य प्रदेश में (526) पाई गई, इसके बाद कर्नाटक (524) और उत्तराखंड का स्थान (442) है।

एलिमेंट्स मोबाइल एप

भारतीय उपराष्ट्रपति ने 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के तहत हाल ही में स्वदेशी सोशल मीडिया मोबाइल एप 'एलिमेंट्स' लॉन्च किया। यह एप 8 प्रमुख भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगा। इस एप के उपयोगकर्ता को चैटिंग करने के साथ-साथ ई-कॉमर्स की सेवाएं भी मिलेंगी।

■ असीम

भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने 10 जुलाई, 2020 को असीम पोर्टल लॉन्च किया। इसका पूर्ण रूप 'आत्मनिर्भर कुशल कर्मचारी-नियोक्ता मानचित्रण' है।

उद्देश्यः- इस पोर्टल का उद्देश्य असीम पोर्टल पर उपलब्ध डेटा का विश्लेषण करके नीति निर्धारण में सहायता प्रदान करना है।

■ आन्ध्रप्रदेश की तीन राजधानियों को मंजूरी

आंध्रप्रदेश की तीन राजधानियों से संबंधित योजना को राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन ने जुलाई, 2020 में मंजूरी दे दी। आंध्रप्रदेश सरकार की योजना के अनुसार, राज्य में निर्माणाधीन अमरावती को विधायी राजधानी, तटवर्ती विशाखापत्तनम को कार्यकारी राजधानी और कर्नूल को न्यायिक राजधानी के रूप में स्थापित किया जाएगा। ध्यातव्य है कि यह निर्णय रिटायर्ड IAS अधिकारी जी.एन. राव की अध्यक्षता में बनी समिति के सुझावों के आधार पर लिया गया।

■ उड़ान 4.0

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने देश के दूर-दराज के इलाकों एवं क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को और बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय संपर्क योजना 'उड़े देश का आम नागरिक' UDAN के चौथे दौर के तहत अगस्त, 2020 में 78 नए मार्गों को मंजूरी दी है।

■ पवन हंस हेलीकॉप्टर सेवा

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'उड़ान योजना' के अंतर्गत उत्तराखंड में पवन हंस की पहली हेलीकॉप्टर सेवा का उद्घाटन किया। हेलीकॉप्टर सेवा के शुरू होने से देहरादून, नई टिहरी, श्रीनगर (उत्तराखंड) और गौचर के बीच हवाई संपर्क स्थापित हो जाएगा और इन स्थानों के बीच यात्रा में औसतन 20 से 25 मिनट का समय लगेगा। इसके अलावा चारधाम यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को भी इस हेलीकॉप्टर सेवा का लाभ प्राप्त होगा।

■ खेलो इंडिया यूथ गेम्स का चौथा संस्करण

खेलो इंडिया यूथ गेम्स के चौथे संस्करण की घोषणा करते हुए 25 जुलाई, 2020 को कहा गया कि इस संस्करण का आयोजन हरियाणा के पंचकुला में किया जाएगा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स प्रत्येक वर्ष जनवरी में आयोजित किए जाते हैं किंतु इस बार कोविड-19 महामारी के कारण इन्हें स्थगित कर दिया गया है।

■ कृषि अवसंरचना कोष

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जुलाई, 2020 में नई देशव्यापी केंद्रीय क्षेत्र योजना-कृषि अवसंरचना कोष को मंजूरी प्रदान की। यह योजना ऋण अनुदान एवं वित्तीय सहायता के माध्यम से फसल कटाई के बाद बुनियादी ढांचा प्रबंधन एवं सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों हेतु व्यावहारिक परियोजनाओं में निवेश के लिए मध्यम एवं दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण की सुविधा प्रदान करेगी। इस ऋण का वितरण आगामी 4 वर्षों में किया जाएगा। चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपए और अगले क्रमशः तीन वित्तीय वर्ष में 30,000 करोड़ रुपए (प्रत्येक वर्ष 30,000 करोड़ रुपए) की मंजूरी प्रदान की गई। इस वित्तपोषण सुविधा के तहत सभी प्रकार के ऋणों पर 2 करोड़ रुपए की सीमा तक ब्याज पर 3% प्रति वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट अधिकतम 7 वर्षों के लिए उपलब्ध होगी। योजना की समय-सीमा वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 2029 तक 10 वर्ष के लिए निर्धारित की गई है।

■ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020

केंद्र सरकार ने जुलाई, 2020 में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' को मंजूरी दी है। नई शिक्षा नीति 34 वर्ष पुरानी 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986' का स्थान लेगी।

यह भी जानें:- नई शिक्षा नीति के निर्माण के लिए जून 2017 में पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के. कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया था, इस समिति ने मई 2019 में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा' प्रस्तुत किया था। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020' वर्ष 1968 और वर्ष 1986 के बाद स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा नीति होगी।

प्रमुख बिंदुः

1. शिक्षा की पहुंच, समानता, गुणवत्ता, वहनीय शिक्षा और उत्तरदायित्व जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान।
2. NEP-2020 के तहत केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से शिक्षा क्षेत्र पर देश की जीडीपी के 6% हिस्से के बराबर निवेश का लक्ष्य रखा गया है।
3. नई शिक्षा नीति में वर्तमान में सक्रिय 10+2 के शैक्षिक मॉडल के स्थान पर शैक्षिक पाठ्यक्रम को 5+3+3+4 प्रणाली के आधार पर विभाजित करने की बात कही गई है।

4. तकनीकी शिक्षा, भाषाई बाध्यताओं को दूर करने, दिव्यांग छात्रों के लिए शिक्षा को सुगम बनाने आदि के लिए तकनीकी के प्रयोग को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है।
5. इस शिक्षा नीति में छात्रों में रचनात्मक सोच, तार्किक निर्णय और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है।

MHRD के नाम में परिवर्तन :-

केबिनेट द्वारा 'मानव संसाधन विकास मंत्रालय' (Ministry of Human Resource Development- MHRD) का नाम बदल कर 'शिक्षा मंत्रालय' (Education Ministry) करने को भी मंजूरी दी गई है। NEP–2020 के तहत MHRD का नाम बदलकर 'शिक्षा मंत्रालय' करने का उद्देश्य 'शिक्षा और सीखने' पर पुनः अधिक ध्यान आकर्षित करना है।

प्रारंभिक शिक्षाः-

प्रारंभिक शिक्षा को बहुस्तरीय खेल और गतिविधि आधारित बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी। 3 वर्ष से 8 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शैक्षिक पाठ्यक्रम का निम्न दो समूहों में विभाजन किया जाएगा:–

1. 3 वर्ष से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी/बालवाटिका/प्री–स्कूल के माध्यम से मुफ्त, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण 'प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा' की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
2. 6 वर्ष से 8 वर्ष तक के बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा–1 और 2 में शिक्षा प्रदान की जाएगी।

'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर एक राष्ट्रीय मिशन' :-

NEP में MHRD द्वारा 'बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान पर एक राष्ट्रीय मिशन' (National Mission on Foundational Literacy and Numeracy) की स्थापना की मांग की गई है। राज्य सरकारों द्वारा वर्ष 2025 तक प्राथमिक विद्यालयों में कक्षा–3 तक के सभी बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्राप्त करने हेतु इस मिशन के क्रियान्वयन की योजना तैयार की जाएगी।

भाषाई विविधता को बढ़ावा और संरक्षणः-

NEP–2020 में कक्षा–5 तक की शिक्षा में मातृभाषा/ स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा को अध्यापन के माध्यम के रूप में अपनाने पर बल दिया गया है, साथ ही इस नीति में मातृभाषा को कक्षा–8 और आगे की शिक्षा के लिए प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है।

पाठ्यक्रम और मूल्यांकन से जुड़े सुझावः-

NEP–2020 में एक ऐसे पाठ्यक्रम और अध्यापन प्रणाली/विधि के विकास पर बल दिया गया है जिसके तहत पाठ्यक्रम के बोझ को कम करते हुए छात्रों में 21वीं सदी के कौशल के विकास, अनुभव आधारित शिक्षण और तार्किक चिंतन को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। इस नीति में प्रस्तावित सुधारों के अनुसार, कला और विज्ञान, व्यावसायिक तथा शैक्षणिक विषयों एवं पाठ्यक्रम व पाठ्येतर गतिविधियों के बीच बहुत अधिक अंतर नहीं होगा। कक्षा–6 से ही शैक्षिक पाठ्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा को शामिल कर दिया जाएगा और इसमें इंटर्नशिप की व्यवस्था भी दी जाएगी।

शिक्षण प्रणाली से जुड़े सुधारः-

1. शिक्षकों की नियुक्ति में प्रभावी और पारदर्शी प्रक्रिया का पालन तथा समय–समय पर लिए गए कार्य–प्रदर्शन आकलन के आधार पर पदोन्नति।
2. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष 2022 तक 'शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक' का विकास किया जाएगा।
3. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा NCERT के परामर्श के आधार पर 'अध्यापक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2021' का विकास भी किया जाएगा।
4. वर्ष 2030 तक अध्यापन के लिए न्यूनतम डिग्री योग्यता 4–वर्षीय एकीकृत बी.एड. डिग्री का होना अनिवार्य किया जाएगा।

उच्च शिक्षाः-

1. NEP–2020 के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में 'सकल नामांकन अनुपात' को 26.3% (वर्ष 2018) से बढ़ाकर 50% तक करने का लक्ष्य रखा गया है, इसके साथ ही देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में 3.5 करोड़ नई सीटों को जोड़ा जाएगा।

2. 3 या 4 वर्ष के स्नातक कार्यक्रम में छात्र कई स्तरों पर पाठ्यक्रम को छोड़ सकेंगे और उन्हें उसी के अनुरूप डिग्री या प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा (जैसे- 1 वर्ष के बाद सर्टिफिकेट, 2 वर्षों के बाद एडवांस डिप्लोमा, 3 वर्षों के बाद स्नातक की डिग्री तथा 4 वर्षों के बाद शोध के साथ स्नातक)।
3. विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से प्राप्त अंकों या क्रेडिट को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के लिए एक 'एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट' दिया जाएगा, जिससे अलग-अलग संस्थानों में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर उन्हें डिग्री प्रदान की जा सके।
4. नई शिक्षा नीति के तहत एम.फिल. कार्यक्रम को समाप्त कर दिया गया है।

भारत उच्च शिक्षा आयोग:-

महाविद्यालयों की संबद्धता 15 वर्षों में समाप्त हो जाएगी और उन्हें क्रमिक स्वायत्तता प्रदान करने के लिए एक चरणबद्ध प्रणाली की स्थापना की जाएगी। देश में आईआईटी और आईआईएम के समकक्ष वैश्विक मानकों के 'बहुविषयक शिक्षा एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय' (Multidisciplinary Education and Research Universities- MERU) की स्थापना की जाएगी।

चिकित्सा एवं कानूनी शिक्षा को छोड़कर पूरे उच्च शिक्षा क्षेत्र के लिए एक एकल निकाय के रूप में भारत उच्च शिक्षा आयोग (Higher Education Commission of India-HECI) का गठन किया जाएगा। HECI के कार्यों के प्रभावी और प्रदर्शितापूर्ण निष्पादन के लिए चार संस्थानों/निकायों का निर्धारण किया गया है-

1. विनियमन हेतु- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा नियामकीय परिषद (National Higher Education Regulatory Council-NHERC)
2. मानक निर्धारण- सामान्य शिक्षा परिषद (General Education Council-GEC)
3. वित्त पोषण- उच्चतर शिक्षा अनुदान परिषद (Higher Education Grants Council-HEGC)
4. प्रत्यायन- राष्ट्रीय प्रत्यायन परिषद (National Accreditation Council-NAC)

चर्चित स्थान

गलवान घाटी

गलवान घाटी सामान्यत: उस भूमि को संदर्भित करती है, जो गलवान नदी के पास मौजूद पहाड़ियों के बीच स्थित है। गलवान नदी का स्रोत चीन की ओर अक्साई चीन में मौजूद है और आगे चल कर यह भारत की श्योक नदी से मिलती है। यह घाटी पश्चिम में लद्दाख और पूर्व में अक्साई चीन के बीच स्थित है, जिसके कारण यह रणनीतिक रूप से काफी महत्त्वपूर्ण है। इसका पूर्वी हिस्सा चीन के झिंजियांग तिब्बत मार्ग से काफी नजदीक है, जिसे G 219 राजमार्ग कहा जाता है।

चर्चा में क्यों:- जून-जुलाई, 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प के कारण गलवान घाटी चर्चा में रही। चीन के विदेश मंत्रालय ने अपने एक बयान में दावा किया है कि संपूर्ण गलवान घाटी 'वास्तविक नियंत्रण रेखा' के चीनी पक्ष पर स्थित है और इसलिए यह चीन का हिस्सा है।

डेपसांग मैदान

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चल रहे गतिरोध में पैंगोंग एवं डेपसांग मैदान दोनों वर्तमान गतिरोध के प्रमुख क्षेत्र हैं। डेपसांग मैदानों के सामरिक महत्व के बावजूद, अब तक आयोजित सैन्य वार्ताओं का क्रम गलवान, गोगरा हॉटस्प्रिंग और पांगोंग झील के फिंगर एरिया में में उत्पन्न गतिरोध पर ही केंद्रित है। Msilkax LAC के उन क्षेत्रों में से एक है जहां टैंक युद्धाभ्यास संभव है।

वर्ष 1962 के युद्ध के दौरान, चीनी सैनिकों ने मैदान पर कब्जा कर लिया था। वर्ष 2013 में चीनी सैनिकों द्वारा इसके 19 किमी अंदर आकर टेंटों को उखाड़ दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के मध्य 21 दिन तक गतिरोध बना रहा।

चर्चा में क्यों:- अगस्त, 2020 में, भारत एवं चीन के मध्य सामरिक रूप से महत्वपूर्ण डेपसांग मैदान के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मेजर जनरल-स्तरीय वार्ता संपन्न हुई। वार्ता दौलत बेग ओल्डी (Daulat Beg Oldie- DBO) में आयोजित की गई जो दोनों देशों द्वारा प्रस्तुत अलग-अलग दावों के मुद्दों पर चर्चा करने तथा एक-दूसरे द्वारा डेपसांग मैदान में गश्त को रोकने पर केंद्रित थी।

■ देहिंग पटकाई वन्यजीव अभयारण्य

'देहिंग पटकाई वन्यजीव अभयारण्य' असम में स्थित है, जिसे राज्य सरकार ने राष्ट्रीय उद्यान के रूप में अपग्रेड करने का निर्णय 6 जुलाई, 2020 को किया है। अपग्रेड होने के बाद यह असम का छठा राष्ट्रीय उद्यान होगा। पांच अन्य राष्ट्रीय उद्यान काजीरंगा, नामेरी, मानस, ओरंग और डिब्रू-साइखोवा हैं।

■ निमू

निमू या निम्मू केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का गांव है जो लद्दाख के दक्षिण-पूर्व भाग में लेह जिले से लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित है। 1100 लोगों की आबादी वाला निमू गांव, सिंधु एवं जास्कर नदियों के संगम पर स्थित है। समुद्र तल से 11000 फीट की ऊंचाई पर करगिल के पास अवस्थित निमू का विशेष सामरिक महत्व है। वर्ष 1999 में पाकिस्तान ने करगिल पर हमला किया तो निमू गांव ने भारतीय सेना की मदद की, जिससे ऊंचाई पर होने के बावजूद लोगों की मदद से संसाधनों को जुटाने में बहुत कम समय लगा था।

चर्चा में क्यों:-भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जुलाई, 2020 में जम्मू-कश्मीर में लेह के पास निमू में भारतीय सैनिकों को संबोधित करते हुए गलवान घाटी को लेकर हुए हिंसक टकराव में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

चर्चित व्यक्ति

■ अवनी दोशी

दुबई में रहने वाली भारतीय मूल की लेखिका अवनी दोशी को उनके उपन्यास 'बर्नट शुगर' के लिए प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार-2020 के लिए चुने गए 13 लेखकों की सूची में शामिल किया गया है। अवनी के अलावा दो बार बुकर पुरस्कार जीत चुकीं हिलेरी मेंटल को उनके उपन्यास 'द मिरर एंड द लाइट' के लिए इस सूची में शामिल किया गया है।

यह भी जानें:-बुकर पुरस्कार किसी विशिष्ट वर्ष के सर्वोत्तम अंग्रेजी उपन्यास को दिया जाता है, जिसका प्रकाशन यूनाइटेड किंगडम या आयरलैंड में होता है। इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1969 में अंग्रेजी में प्रकाशित उपन्यासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई थी। वर्ष 2019 के लिए कनाडा की मार्गरेट एटवुड और ब्रिटेन की बर्नाडिन एवरिस्टो को संयुक्त रूप से इस पुरस्कार के लिए चुना गया था।

■ प्रीतम सिंह

भारतीय मूल के राजनेता प्रीतम सिंह को जुलाई, 2020 में सिंगापुर के इतिहास में पहली बार विपक्ष का नेता नामित किया गया है। प्रीतम की वर्कर्स पार्टी ने 10 जुलाई को हुए आम चुनाव में कुल 93 सीटों में से 10 संसदीय सीटें जीती थीं, जिससे उनकी पार्टी सिंगापुर की संसद में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी रही थी।

नियुक्तियां

■ अशोक लवासा

भारतीय चुनाव आयुक्त अशोक लवासा को एशियाई विकास बैंक (एडीबी) का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने 31 अगस्त को सेवानिवृत्त दिवाकर गुप्ता का स्थान लिया है। लवासा को 23 जनवरी, 2018 को चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था।

एशियाई विकास बैंक:- एडीबी एक क्षेत्रीय विकास बैंक है, जिसकी स्थापना 19 दिसम्बर 1966 को की गई थी। 1 जनवरी, 1967 को इस बैंक ने पूरी तरह से काम करना शुरू किया था। इसकी स्थापना का उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास को गति प्रदान करना था। इसकी अध्यक्षता जापान द्वारा की जाती है। एडीबी का मुख्यालय मनीला, फिलीपींस में स्थित है। इसके सदस्य देशों की संख्या 68 है, जिसमें भारत सहित 48 सदस्य एशियाई देशों से हैं।

■ इन्द्रमणि पाण्डे

राजनयिक इन्द्रमणि पाण्डे को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र और अन्य अन्तरराष्ट्रीय संगठनों के लिए भारत का स्थायी प्रतिनिधि 01 जुलाई, 2020 को नियुक्त किया गया है। वे इस पद पर राजीव के.चंदर का स्थान लेंगे।

■ हेमांग अमीन

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हेमांग अमीन को अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुलाई, 2020 में नियुक्त किया। उन्होंने इस पद पर राहुल जौहरी का स्थान लिया है।

■ इंजेती श्रीनिवास

सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी इंजेती श्रीनिवास को 'अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र प्राधिकरण' के प्रथम अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति दी गई है। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्रालय ने देश में अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्रों में

सभी वित्तीय सेवाओं को विनियमित करने के लिए 27 अप्रेल, 2020 को 9 सदस्यीय 'अन्तरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केन्द्र प्राधिकरण' का गठन किया है। इसके सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष होता है।

■ विधु नायर

डॉ. विधु पी. नायर को तुर्कमेनिस्तान में भारत का नया राजदूत जुलाई, 2020 में नियुक्त किया गया है।

■ हेमंत हरिश्चन्द्र कोटालवर

हेमंत हरिश्चन्द्र कोटालवर को चेक गणराज्य में भारत का नया राजदूत 13 जुलाई, 2020 को नियुक्त किया गया है।

■ राकेश कुमार अरोड़ा

राकेश कुमार अरोड़ा को सियरा लियोन में भारत का नया उच्चायुक्त 30 जून, 2020 को नियुक्त किया गया है।

■ मनोज सिन्हा

पूर्व केन्द्रीय मंत्री मनोज सिन्हा को केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का नया उप राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उन्होंने 7 अगस्त, 2020 को शपथ ग्रहण की। सिन्हा ने इस पद पर गिरीश चन्द्र मुर्मू का स्थान लिया है, जिन्होंने 5 अगस्त, 2020 को इस्तीफा दे दिया था।

■ प्रदीप कुमार जोशी

प्रदीप कुमार जोशी को 7 अगस्त, 2020 को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस पद पर उन्होंने अरविंद सक्सेना का स्थान लिया है। जोशी का कार्यकाल 12 मई, 2021 तक होगा।

यह भी जानें:-भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315-323 तक एक संघीय लोक सेवा आयोग और राज्यों के लिए राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है। संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना 1 अक्टूबर, 1926 को की गई थी। इसमें एक अध्यक्ष और राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त सदस्य शामिल होते हैं। अध्यक्ष व सदस्यों का कार्यकाल 65 वर्ष की आयु अथवा 6 वर्ष की अवधि (जो पहले पूरी हो) होता है।

■ गिरीश चन्द्र मुर्मू नए सीएजी

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल रहे गिरीश चन्द्र मुर्मू को अगस्त, 2020 में भारत का नया नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) नियुक्त किया गया है। मुर्मू ने 8 अगस्त को इस पद पर राजीव महर्षि का स्थान लिया। गिरीश चंद्र मुर्मू भारत के 14वें नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) होंगे।

यह भी जानें:- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 148 में सीएजी का प्रावधान है। वह केन्द्र और राज्य सरकारों के विभागों और उनके द्वारा नियंत्रित संस्थानों के आय-व्यय की जांच करता है।

■ राकेश अस्थाना

राकेश अस्थाना को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उन्होंने 18 अगस्त, 2020 को पदभार ग्रहण किया।

■ राजीव कुमार

केन्द्र सरकार ने पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार को नया चुनाव आयुक्त 21 अगस्त, 2020 को नियुक्त किया है। इस पद पर उनकी नियुक्ति अशोक लवास के स्थान पर हुई है, जिन्होंने एडीबी के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति के बाद चुनाव आयुक्त पद से इस्तीफा दे दिया था। वर्तमान में सुनील अरोड़ा मुख्य चुनाव आयुक्त व सुशील चन्द्र चुनाव आयुक्त हैं।

यह भी जानें :- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के अन्तर्गत 25 जनवरी, 1950 को एक सदस्यीय चुनाव आयोग का गठन किया गया। अक्टूबर, 1989 को इसे तीन सदस्यीय बनाया गया। फिर 2 जनवरी, 1990 को वापस एक सदस्यीय कर दिया। इसके बाद 1 अक्टूबर, 1993 को आयोग को पुनः तीन सदस्यीय बना दिया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त/आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष की अवधि या 65 वर्ष की आयु (जो पहले पूरी हो) तक होता है।

■ के.के. वेणुगोपाल

केंद्र सरकार ने अटॉर्नी जनरल (Attorney General-AG) के रूप में वरिष्ठ अधिवक्ता के. के. वेणुगोपाल के कार्यकाल को एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। ध्यातव्य है कि 30 जून, 2017 को के.के. वेणुगोपाल को 3 वर्ष के कार्यकाल के लिए भारत का 15वां अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया था, उनका पहला कार्यकाल बीते दिनों 30 जून, 2020 को समाप्त हो गया था।

15वें अटॉर्नी जनरल के रूप में इनकी नियुक्ति मुकुल रोहतगी के स्थान पर की गई थी। के. के. वेणुगोपाल के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के कार्यकाल का भी तीन वर्ष के लिए विस्तार किया गया है।

निधन

■ लालजी टंडन

मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन (85) का 21 जुलाई, 2020 को लखनऊ में निधन हो गया। वे 29 जुलाई, 2019 से मध्यप्रदेश के राज्यपाल थे।

■ सरोज खान

बॉलीवुड की कोरियोग्राफर सरोज खान (71) का 3 जुलाई, 2020 को निधन हो गया। उनका असली नाम निर्मला नागपाल था। उन्होंने कोरियाग्राफी में सर्वाधिक 3 राष्ट्रीय पुरस्कार व 8 फिल्मफेयर पुरस्कार जीते थे।

■ पंडित जसराज

शास्त्रीय गायक पंडित जसराज (90) का 17 अगस्त, 2020 को अमेरिका में निधन हो गया। मेवाती घराने से ताल्लुक रखने वाले पंडित जसराज को खयाल की पारम्परिक गायकी के लिए जाना जाता था।

■ चेतन चौहान

पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतन चौहान (73) का 16 अगस्त, 2020 को निधन हो गया। वे दो बार सांसद भी रहे थे।

■ राहत इंदौरी

उर्दू शायर राहत इंदौरी (70) का 11 अगस्त, 2020 को निधन हो गया। वे उर्दू के प्रोफेसर भी रहे थे।

■ अमर सिंह

राज्यसभा सांसद और समाजवादी पार्टी के पूर्व महासचिव अमर सिंह (64) का 1 अगस्त, 2020 को सिंगापुर में निधन हो गया। वे पहली बार 1996 में राज्यसभा के लिए चुने गए थे।

■ अमला शंकर

प्रसिद्ध नृत्यांगना अमला शंकर (101) का 24 जुलाई, 2020 को कोलकाता में निधन हो गया है। कला के क्षेत्र में अमला शंकर के योगदान को देखते हुए उन्हें वर्ष 2011 में बंगाल सरकार ने बंगा विभूषण से सम्मानित किया था। वर्ष 2012 में उन्हें नृत्य में उनके योगदान के लिए संगीत नाटक अकादमी टैगोर रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

■ प्रणब मुखर्जी

भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी (84) का 31 अगस्त 2020 को निधन हो गया। वर्ष 2012 में प्रणब मुखर्जी देश के राष्ट्रपति बने थे। वे भारत के 13वें राष्ट्रपति थे।

पुरस्कार

■ राष्ट्रीय सांख्यिकी में प्रो.पी.सी. महालनोबिस पुरस्कार

सांख्यिकी दिवस के अवसर पर 29 जून, 2020 को सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा पहला 'राष्ट्रीय सांख्यिकी में प्रो.पी.सी.महालनोबिस आधिकारिक पुरस्कार 2020' प्रदान किया गया। यह पुरस्कार आरबीआई के पूर्व गवर्नर डॉ. चक्रवर्ती रंगराजन को प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार केन्द्र सरकार, राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश सरकारों और संस्थानों में सरकारी सांख्यिकीविदों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए प्रदान किया जाता है।

प्रो.पी.वी. सुखात्मे राष्ट्रीय पुरस्कार:-इसके अलावा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल स्टैटिस्टिक्स और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के पूर्व निदेशक डॉ. अरविंद पांडे और भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के पूर्व अपर महानिदेशक डॉ. अखिलेश चन्द्र कुलश्रेष्ठ को संयुक्त रूप से 'प्रो.पी.वी. सुखात्मे राष्ट्रीय पुरस्कार' प्रदान किया गया।

■ राष्ट्रीय खेल पुरस्कार-2020

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार-2020 के लिए उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुकुंदकम शर्मा की अध्यक्षता में गठित चयन समिति ने 21 अगस्त, 2020 को खिलाड़ियों की नामों की घोषणा की। इस वर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन के पांच खिलाड़ियों को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, 13 प्रशिक्षकों को द्रोणाचार्य पुरस्कार, 27 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार तथा 15 खिलाड़ियों को ध्यानचंद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

वहीं, उक्त पुरस्कारों के अलावा 'तेनजिंग नॉर्गे नेशनल एडवेंचर पुरस्कार-2019', 'राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार' एवं 'मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी' की भी घोषणा की गई।

■ राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार

यह पुरस्कार किसी खेल में खिलाड़ी के चार वर्षों से अधिक शानदार एवं असाधारण प्रदर्शन के लिए दिया जाता है। अभी तक पुरस्कार स्वरूप खिलाड़ियों को साढ़े सात लाख रुपए की राशि और पदक प्रदान किया जाता था, लेकिन इस वर्ष इस राशि को बढ़ाकर 25 लाख रुपए कर दिया गया है। इस वर्ष यह पुरस्कार निम्न पांच खिलाड़ियों

को दिया जाएगा–

1. रोहित शर्मा (क्रिकेट)
2. मारियप्पन टी. (पैरा एथलेटिक्स)
3. **मनिका बत्रा (टेबल टेनिस)**– टेबल टेनिस में पहली बार किसी खिलाड़ी को यह पुरस्कार दिया जा रहा है।
4. विनेश फोगाट (कुश्ती)
5. **रानी रामपाल (हॉकी)**– यह पुरस्कार पाने वाली पहली महिला हॉकी खिलाड़ी।

■ अर्जुन पुरस्कार

विभिन्न खेलों में विगत चार वर्षों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 27 खिलाड़ियों को प्रदान किया गया। अभी तक पुरस्कार स्वरूप खिलाड़ियों को साढ़े पांच लाख रुपए नकद, प्रशस्ति पत्र व अर्जुन की प्रतिमा प्रदान की जाती थी, लेकिन इस वर्ष पुरस्कार राशि को बढ़ाकर 15 लाख रुपए कर दिया गया है। इस वर्ष निम्न खिलाड़ियों को अर्जन पुरस्कार दिया जा रहा है–

1. अतुन दास (तीरंदाजी)
2. दुती चंद (एथलेटिक्स)
3. सात्विक साइराज रणकीरेंड्डी (बैडमिंटन)
4. चिराग चंद्रशेखर शेट्टी (बैडमिंटन)
5. विशेष भृगुवंशी (बास्केटबॉल)
6. सूबेदार मनीष कौशिक (बॉक्सिंग)
7. लवलीना बोरगोहीन (बॉक्सिंग)
8. इशांत शर्मा (क्रिकेट)
9. दीप्ति शर्मा (क्रिकेट)
10. सावंत अजय अनंत (घुड़सवारी)
11. संदेश झींगन (फुटबॉल)
12. अदिति अशाोक (गोल्फ)
13. आकाशदीप सिंह (हॉकी)
14. दीपिका (हॉकी)
15. दीपक (कबड्डी)
16. काले सरिका सुधाकर (खो खो)
17. दत्तू बाबन भोकानाल (नौकायन)
18. मनु भाकर (शूटिंग)
19. मधुरिका सुहास पाटकर (टेबल टेनिस)
20. दिविज शरण (टेनिस)
21. शिव केशवन (विंटर स्पोर्ट्स)
22. दिव्या काकरन (कुश्ती)
23. राहुल अवारे (कुश्ती)
24. सुयश नारायन जाधव (पैरा तैराकी)
25. संदीप (पैरा एथलेटिक्स)
26. मनीष नरवाल (पैरा शूटिंग)
27. सौरभ चौधरी (शूटिंग)।

■ द्रोणाचार्य पुरस्कार

वर्ष 1985 से प्रदत्त यह पुरस्कार खेल प्रशिक्षकों को दिया जाता है। अभी तक पुरस्कार स्वरूप साढ़े पांच लाख रुपए, गुरु द्रोणाचार्य की प्रतिमा व प्रशस्ति पत्र दिया जाता था, लेकिन इस वर्ष से जीवन पर्यन्त श्रेणी में इसे बढ़ाकर 15 लाख रुपए तथा नियमित श्रेणी में 10 लाख रुपए कर दिया गया है। इस वर्ष निम्न खिलाड़ियों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया है–

जीवन पर्यन्त श्रेणीः–

1. धर्मेन्द्र तिवारी (तीरंदाजी)
2. पुरुषोत्तम राय (एथेलेटिक्स)
3. शिव सिंह (बॉक्सिंग)
4. रोमेश पाठानिया (हॉकी)
5. कृष्ण कुमार हुडा (कबड्डी)
6. विजय भालचन्द्र मुनीश्वर (पैरा पावर लिफ्टिंग)
7. नरेश कुमार (टेनिस)
8. ओम प्रकाश दहिया (कुश्ती)

नियमित श्रेणी–

1. ज्यूड फैलिक्स सेबेस्टियन (हॉकी)
2. योगेश मालविया (मलखंभ)
3. जसपाल राणा (शूटिंग)
4. कुलदीप कुमार हांडू (वुशु)
5. गौरव खन्ना (पैरा बैडमिंटन)।

■ ध्यानचंद पुरस्कार

वर्ष 2002 से प्रदत्त यह पुरस्कार खेलों में जीवनपर्यन्त उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। अभी तक पुरस्कार स्वरूप खिलाड़ियों को साढ़े पांच लाख रुपए नकद व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता था, लेकिन इस वर्ष से इस राशि को बढ़ाकर 10 लाख रुपए कर दिया गया है। इस वर्ष निम्न 15

खिलाड़ियों का दिया जाएगा–

1. कुलदीप सिंह भुल्लर (एथलेटिक्स)
2. जिन्सी फिलिप (एथलेटिक्स)
3. प्रदीप श्रीकृष्ण गंधे (बैडमिंटन)
4. त्रृप्ती मुरगुंडे (बैडमिंटन)
5. एन.ऊषा (बॉक्सिंग)
6. लख सिंह (बॉक्सिंग)
7. सुखविंदर सिंह संधु (फुटबॉल)
8. अजीत सिंह (हॉकी)
9. मनप्रीत सिंह (कबड्डी)
10. जे.रंजीत कुार (पैरा एथलेटिक्स)
11. सत्यप्रकाश तिवारी (पैरा बैडमिंटन)
12. मंजीत सिंह (नौकायन)
13. स्व. सचिन नाग (तैराकी)
14. नंदन पी बल (टेनिस)
15. नेत्रपाल हुडा (कुश्ती)।

तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय एडवेंचर पुरस्कार

एडवेंचर के क्षेत्र में निम्न खिलाड़ियों को तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय एडवेंचर पुरस्कार प्रदान किया गया–

- लैंड एडवेंचर – अनीता देवी, कर्नल सरफराज सिंह, टका तामूत, नरेन्द्र सिंह, केवल हीरेन कक्का।
- वाटर एडवेंचर – सतेन्द्र सिंह
- एयर एडवेंचर – गजानंद यादव
- लाइफटाइम अचीवमेंट – स्व. श्रीमगन बिस्सा

प्रेरक दौर सम्मान

केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने 'स्वच्छ सर्वेक्षण-2021' के एक हिस्से के रूप में 'प्रेरक दौर सम्मान' पुरस्कार की घोषणा की है। 'प्रेरक दौर सम्मान' के कुल पांच अतिरिक्त उप-वर्ग- दिव्य (प्लेटिनम), अनुपम (स्वर्ण), उज्जवल (रजत), उदित (कांस्य), आरोही (आकांक्षी) शामिल किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक में शीर्ष तीन शहरों को चुना जाएगा।

2021 में इस पर फोकसः–'स्वच्छ सर्वेक्षण-2021' के संकेतकों का मुख्य फोकस 'अपशिष्ट जल उपचार' एवं 'मल-कीचड़ के पुनर्उपयोग' से संबंधित मानकों पर रहेगा।

---

3 राजस्थान घटनाक्रम

विधानसभा समितियों का गठन

राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष सीपी जोशी ने 30 जून, 2020 को विधानसभा की 15 समितियों का गठन कर सदस्यों एवं सभापतियों की नियुक्ति की है।

इन समितियों का गठनः-

समिति	अध्यक्ष
♦ नियम समिति	विधानसभा अध्यक्ष पदेन सभापित
♦ सदाचार समिति	दीपेन्द्र सिंह
♦ स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं संबंधी समिति	डॉ.राजकुमार शर्मा
♦ विशेषाधिकार समिति	शकुंतला रावत
♦ अधीनस्थ विधान समिति	नरेन्द्र बुढ़ानिया
♦ याचिका समिति	अर्जुनलाल जीनगर
♦ सरकारी आश्वासन संबंधी समिति	भंवरलाल शर्मा
♦ प्रश्न एवं संदर्भ समिति	बृजेन्द्र सिंह ओला
♦ पर्यावरण संबंधी समिति	मंजू देवी
♦ पुस्तकालय समिति	राम नारायण मीना
♦ महिलाओं एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति	अनीता भदेल
♦ पिछड़े वर्ग के कल्याण संबंधी समिति	जितेन्द्र सिंह
♦ अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति	महेन्द्रजीत सिंह मालवीय
♦ अनुसूचित जाति कल्याण समिति	अशोक खंडार
♦ अल्पसंख्यकों के कल्याण संबंधी समिति	अमीन खान

सक्षम युवा कार्यक्रम

विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर 15 जुलाई, 2020 को प्रदेश में 'सक्षम युवा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। वीसी के जरिए सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कौशल विकास का प्रशिक्षण लेकर रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं से संवाद किया। गहलोत ने ऐसे ही युवा रमेश का स्किल एम्बेसडर के रूप में सम्मान किया।

राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

राज्यसभा सभापति एम. वेंकैया नायडू ने राज्यसभा के लिए राजस्थान से नवनिर्वाचित तीन सदस्यों के.सी.वेणुगोपाल, राजेन्द्र गहलोत और नीरज डांगी को 22 जुलाई, 2020 को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

प्रदेश का पहला प्लाज्मा बैंक

जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय में प्रदेश का पहला प्लाज्मा बैंक स्थापित किया गया है। चिकित्सा मंत्री रघु शर्मा 24 जुलाई, 2020 को इसका पोस्टर जारी किया।

पं.जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में 'पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी' के गठन की स्वीकृति जुलाई, 2020 में प्रदान की। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के बजट 2019-20 में इस संबंध में घोषणा की गई थी।

गहलोत सरकार ने हासिल किया विश्वास मत

प्रदेश में गत दिनों चले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद 14 अगस्त, 2020 को विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव रखा गया जो ध्वनिमत से पारित हो गया। राज्य सरकार की ओर से संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार के पक्ष में 123 मत पड़े।

पहली राज्य स्तरीय ऑनलाइन लोक अदालत

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने राज्य की पहली ऑनलाइन लोक अदालत का आयोजन 22 अगस्त, 2020 को किया। इस दौरान 47654 मामले उठाए गए, जिनमें से 33476 का निपटारा किया गया।

इंदिरा रसोई योजना

राजस्थान सरकार ने 20 अगस्त, 2020 से राज्य के शहरी क्षेत्रों में इंदिरा रसोई योजना शुरू की है। योजना पर प्रति वर्ष 100 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके तहत राज्य के शहरी गरीब लोगों को मात्र 8 रुपए में गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन दिया जाएगा। यह योजना राज्य के सभी 213 शहरी स्थानीय निकायों में चलाई जाएगी। इस योजना से राज्य के तकरीबन 4.87 करोड़ लोगों के लाभान्वित होने की संभावना है।

चर्चित स्थान

छितरोली

जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने बगरू के पास छितरोली में 10 मेगावाट क्षमता का सोलर पॉवर प्लांट लगाने का निर्णय किया है। इससे जेडीए को करीब 9 करोड़ रुपए वार्षिक की बचत होगी।

नियुक्ति/निर्वाचन

जनार्दन सिंह गहलोत

जनार्दन सिंह गहलोत को राजस्थान ओलम्पिक संघ का अध्यक्ष चुना गया है। इस पद 19 जुलाई को चुनाव होने थे, लेकिन एक से अधिक प्रत्याशी न होने के कारण गहलोत का चुनाव निर्विरोध हुआ।

राजीव स्वरूप

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजीव स्वरूप को राजस्थान का मुख्य सचिव बनाया गया है। उन्होंने 3 जुलाई, 2020 को डी.बी. गुप्ता से पदभार ग्रहण किया।

के.सी. वर्मा

भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी के.सी. वर्मा को राजस्थान वित्त निगम का नया प्रबंध निदेशक बनाया गया है। उन्होंने 6 जुलाई, 2020 को पदभार ग्रहण किया।

निधन

डॉ.एस.एल.तोलानी

राजस्थान में राज्य का पहला किडनी ट्रांसप्लांट करने वाले यूरोलोजिस्ट डॉ.एस.एल. तोलानी का 22 जुलाई, 2020 को निधन हो गया। डॉ. तोलानी ने वर्ष 1986 में प्रदेश का पहला किडनी प्रत्यारोपण किया था।

इरफान अली गौड

अन्तरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी इरफान अली गौड (64) का 23 जुलाई, 2020 को निधन हो गया। उनकी स्मृति में राज्य सब जूनियर हैंडबॉल (ब्वॉयज) के 'बेस्ट खिलाड़ी का पुरस्कार' शुरू किया जाएगा।

चर्चित व्यक्ति

रवि गांधी

बीएसएफ के डीआईजी पोकरण निवासी रवि गांधी को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। गांधी जोधपुर स्थित राजस्थान फ्रंटियर मुख्यालय में बतौर इंटेलीजेंस चीफ व पीएसओ रहे हैं।

गीता कुमारी

केन्द्र सरकार द्वारा प्रदत्त 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार' के लिए राजस्थान से गीता कुमारी का चयन किया गया है। गीता बाड़मेर के राजकीय शिक्षाकर्मी प्राथमिक स्कूल, सरुपोनी मालियों का वास में पदस्थापित हैं।

पुरस्कार

राज्य स्तरीय परिवार कल्याण पुरस्कार

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर 11 जुलाई, 2020 को राज्य स्तरीय वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा ने विभिन्न श्रेणियों में राज्य स्तरीय परिवार कल्याण प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए। प्रदेश में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा 11-24 जुलाई, 2020 को मनाया गया।

इन्हें मिला पुरस्कार:-

- **संस्थागत पुरस्कार**- झालावाड़ (प्रथम), अजमेर (द्वितीय), भीलवाड़ा (तृतीय), हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, कोटा।
- **पीपीआईयूसीडी निवेशन** - श्रीगंगानगर (प्रथम), सीकर (द्वितीय), दौसा (तृतीय)।
- **सरकारी चिकित्सालयों की श्रेणी**- डॉ. अशोक जैन (भीलवाड़ा) को प्रथम, डॉ. बिजेन्द्रनाथ तिवारी (बारां) को द्वितीय, डॉ. सोनू शर्मा (अजमेर) को तृतीय।
- **गैर सरकारी संगठन श्रेणी**- एफआरएचएस इंडिया के अरविन्द बासोतिया तथा परिवार सेवा संस्थान की राखी।

- **व्यक्तिगत श्रेणी (कुल 9 व्यक्तियों को)**- डॉ. मुकेश कुमार बंसल (झालावाड़) को प्रथम, डॉ. सम्पत सिंह जोधा (अजमेर) को द्वितीय, डॉ.संजीव कुमार (भीलवाड़ा) को तृतीय।

हलधर ऑर्गेनिक फार्मर नेशनल अवार्ड

राजस्थान के दूदू स्थित भैराना–बिचून निवासी सुरेन्द्र अवाना को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के 'हलधर ऑर्गेनिक फार्मर नेशनल अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। ICAR के 92वें स्थापना दिवस पर आयोजित वर्चुअल समारोह के अवसर पर 16 जुलाई, 2020 को केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इसकी घोषणा की।

जोधपुर शहर को फास्टेस्ट मूविंग शहर के अवार्ड

केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी द्वारा 20 अगस्त, 2020 को घोषित किए 'स्वच्छता सर्वेक्षण' के परिणामों के तहत शहरी विकास मंत्रालय ने जोधपुर शहर को 'फास्टेस्ट मूविंग शहर' के अवॉर्ड से सम्मानित किया। स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 में जोधपुर को 29वीं रैंक प्राप्त हुई है, जबकि गत वर्ष यह रैंक 243 थी। वहीं, जयपुर को 28वां स्थान प्राप्त हुआ है, जो गत रैंकिंग में 44वां था।

4

जुलाई -अगस्त

राजस्थान सुजस सार

(जुलाई-अगस्त, 2020)

■ गांधीजी के 150वीं जयंती कार्यक्रम 2021 तक

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने महात्मा गांधी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उनकी 150वीं जयंती वर्ष के कार्यक्रमों को एक वर्ष और बढ़ाकर 2 अक्टूबर, 2021 तक जारी रखने का निर्णय किया है। गहलोत ने सीएम हाउस पर वीसी के जरिए महात्मा गांधी के 150वीं जयंती वर्ष के आयोजनों के लिए गठित राज्य स्तरीय समिति की दूसरी बैठक में इसकी घोषणा की। सीएम ने कहा कि सरकार ने प्रदेश में शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ का गठन किया है। राजस्थान ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य है। इस प्रकोष्ठ को जल्द राज्य सरकार के एक विभाग के रूप में स्थापित किया जाएगा।

■ विश्व जनसंख्या दिवस

राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री रघु शर्मा ने कहा कि प्रदेश की टीएफआर (टोटल फर्टिलिटी रेट) 2.5 है, जिसे कम करके 2.1 पर लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वे विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित वर्चअल राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 11 जुलाई से 24 जुलाई तक प्रदेश में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़े का शुभारंभ किया।

■ पं.जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी

प्रदेश में बाल साहित्य को प्रोत्साहित करने के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी का गठन किया गया है। कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा प्रदेश में बाल साहित्य संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और बाल साहित्य रचनाकारों के सहयोग के लिए मुख्यमंत्री ने वर्ष 2019-20 के बजट में इसकी घोषणा की थी।

■ कोविड-19 जागरूकता अभियान

प्रदेश में 21 जून से 7 जुलाई तक कोविड-19 जागरूकता अभियान चलाया गया। शुरू में अभियान की अवधि 21 जून से 30 जून तक थी, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 7 जुलाई तक कर दिया गया। इस दौरान प्रदेशभर में लोगों को कोरोना महामारी के बारे में जागरुक किया गया।

■ इंदिरा रसोई योजना

प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में इंदिरा रसोई योजना की शुरुआत की गई है। इसमें गरीबों एवं जरूरतमंद लोगों को मात्र 8 रुपए में शुद्ध और पौष्टिक भोजन प्रदान किया जा रहा है। राज्य सरकार इस योजना पर प्रति वर्ष 100 करोड़ रुपए खर्च करेगी। राज्य सरकार प्रति थाली 12 रुपए का अनुदान देगी। प्रदेश के सभी 213 नगरीय निकायों में 358 रसोइयों का संचालन किया जाएगा। इसके तहत प्रतिवर्ष 4 करोड़ 87 लाख लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। भोजन में प्रति थाली 100 ग्राम दाल, 100 ग्राम सब्जी, 250 ग्राम चपाती एवं अचार दिया जाएगा।

■ 127 करोड़ के 41 कार्यों का शिलान्यास/लोकार्पण

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को जैसलमेर से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 127.85 करोड़ रुपए के 41 कार्यों का शिलान्यास/लोकार्पण किया। उन्होंने जैसलमेर, जोधपुर एवं बाड़मेर में जनजाति छात्रावास खोलने की घोषणा की। जोधपुर में जनजाति छात्रों के लिए कोचिंग सेन्टर भी खोला जाएगा।

■ जरूरतमंद वर्ग की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीसी के जरिए खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की समीक्षा तथा जिला कलक्टर एवं रसद अधिकारियों से संवाद किया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर दिया जा रहा है। इसी कारण कोविड-19 से लोगों की आजीविका प्रभावित होने के बाद कराए गए सर्वे में 20 लाख परिवारों के 68 लाख सदस्यों का पंजीयन किया गया है।

■ नि:शुल्क दवा एवं जांच सैंपल लिए जाएंगे

प्रदेश में चल रही मोबाइल ओपीडी वैनों के जरिए आमजन को न केवल 'मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना' के तहत दी जाने वाली दवाओं का वितरण किया जाएगा, बल्कि जांच के सैंपल लेने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 में मुख्यमंत्री नि:शुल्क दवा योजना और वर्ष 2013 में मुख्यमंत्री नि:शुल्क जांच योजना की शुरुआत की गई थी। प्रदेश में 750 से अधिक मोबाइल ओपीडी वैन संचालित हैं।

स्वतंत्रता संग्राम में राजस्थान

- राजस्थान में 1857 की क्रांति का शुभारंभ अजमेर के नसीराबाद छावनी में 15वीं इन्वेन्ट्री में सैनिकों के विद्रोह से हुआ था। उस समय भारत के गवर्नर जनरल लॉर्ड केनिंग थे। राजस्थान के ए.जी.जी. जॉर्ज पैट्रिक लॉरेन्स थे।
- 1857 की क्रांति के समय राजस्थान में छह सैनिक छावनियां (ब्यावर, नसीराबाद, नीमच, ऐरनपुरा, देवली तथा खैरवाड़ा) थीं।
- 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में कोटा का योगदान सर्वाधिक महत्वपूर्ण था और ब्रिटिश सत्ता को सर्वाधिक सहयोग बीकानेर शासक सरदारा सिंह ने दिया था। मारवाड़ में विद्रोह का प्रमुख केन्द्र आऊवा था।
- राजस्थान में 1857 की क्रान्ति के समय प्रमुख पॉलिटिकल एजेंट इस प्रकार थे – 1. मेवाड़ में पॉलिटिकल एजेन्ट – मेजर शावर्स, 2. मारवाड़ में – मेकमोहन, 3. जयपुर में – ईडन, 4. कोटा में – मेजर बर्टन।
- ऐरनपुरा (जोधपुर) सैनिक छावनी में सैनिकों ने विद्रोह कर आबू में अंग्रेजों की बस्ती को लूट लिया था। इसी प्रकार कोटा विद्रोह में ए.जी.जी. मेजर बर्टन तथा उसके दो पुत्रों को मौत के घाट उतार दिया था।
- धौलपुर विद्रोह में राव रामचन्द्र एवं हीरालाल ने विद्रोहियों का नेतृत्व किया था। टोंक में आलम खां के नेतृत्व में अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह हुआ था।
- राजस्थान में स्वतन्त्रता आंदोलन के दौरान निम्नलिखित संस्थाएं गठित हुई थीं – 1. हिन्दी साहित्य समिति – महन्त जगन्नाथ दास, 2. नागरी प्रचारिणी सभा – ज्वालाप्रसाद व जौहरी लाल, 3. विद्या प्रचारिणी सभा – हरिभाई किंकर, 4. वीर भारत समाज – विजय सिंह पथिक, 5. सम्प सभा– गुरु गोविन्द गिरि, 6. मारवाड़ सेवा संघ – चांदमल सुराना, 7. ऊपरमाल पंच बोर्ड– विजय सिंह पथिक, 8. सेवा संघ – भोगी लाल पंड्या, 9. हरिजन सेवा समिति – भोगी लाल पंड्या।
- राजस्थान में जमनालाल बजाज की अध्यक्षता में राजपूताना के देशी राज्यों में राजनैतिक चेतना जागृत करने के लिए राजपूताना मध्य भारत सभा की स्थापना की गई थी। इसी प्रकार भारत की देशी रियासतों में शांतिपूर्ण उपायों से वहां के राजाओं के अधीन उत्तरदायी शासन स्थापित करने के लिए मुम्बई में अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद् की स्थापना की गई थी।
- जयपुर में अर्जुन लाल सेठी द्वारा 1907 में वर्धमान विद्यालय की स्थापना की गई थी। डूंगरपुर में गौरीशंकर उपाध्याय एवं भोगी लाल पंड्या द्वारा वागड़ सेवा मंदिर की स्थापना की गई थी। सिद्धराज ढ्ढढा द्वारा सर्व सेवा संघ की स्थापना की गई थी। वागड़ सेवा मंदिर की स्थापना डूंगरपुर के आदिवासी भीलों, हरिजनों एवं पिछड़े लोगों में शिक्षा प्रसार एवं समाज सुधार कार्य के लिए की गई थी।
- राजस्थान के प्रमुख अमर शहीदों के शहीद होने का वर्ष इस प्रकार है – 1. प्रताप सिंह बारहठ–(1918), 2. रूपाजी एवं किरपा जी धाकड़–(1922), 3. बालमुकन्द बिस्सा –(1942), 4. सागरमल गोपा– (1942), 5. काली बाई भील–(1947)।
- प्रताप सिंह बारहठ ब्रिटिश सरकार की अमानुषिक यातनाओं से 24 मई, 1918 को जेल में शहीद हो गये थे। जून, 1922 में बेगू किसान आन्दोलन के दौरान मेवाड़ राज्य की सेना द्वारा चलाई गई गोलियों का शिकार होकर रूपाजी एवं किरपा जी धाकड़ शहीद हो गए थे। 1922 में ही किसान आन्दोलन के दौरान नानजी भील शहीद हो गए थे। मारवाड़ लोक परिषद् द्वारा राज्य में उत्तरदायी शासन की स्थापना के लिए छेड़े गए आन्दोलन के दौरान 19 जून, 1942 को श्री बालमुकन्द बिस्सा जोधपुर में शहीद हो गए थे। राजद्रोह के अभियोग में 1941 में सागरमल गोपा को जैसलमेर में गिरफ्तार किया गया था। अप्रेल, 1945 में उन्हें जेल में जिन्दा जला दिया गया था।
- रमेश स्वामी बेगार विरोधी आन्दोलन के दौरान भुसावर (भरतपुर) में 1947 में बस द्वारा कुचल दिए जाने से शहीद हो गए थे। ठाकुर छत्रसिंह एवं ठाकुर पंचम सिंह लखमीर गांव (धौलपुर) में 1946 में राज्य कांग्रेस द्वारा आयोजित सभा में पुलिस की गोली लगने से शहीद हो गए थे। इसी प्रकार रामाराम चौधरी जागीरदारों द्वारा चलाई गई गोली से 1947 में शहीद हो गए थे। हरिजन युवक बीरबल सिंह 1946 में रायसिंह नगर (श्रीगगांनगर) में एक जुलूस का नेतृत्व करते गोली लगने से शहीद हो गए थे।
- डूंगरपुर राज्य की ओर से सेवा संघ द्वारा संचालित पाठशालाओं को बन्द करवाने के अभियान के दौरान 19 जून, 1947 को पुलिस ने नानाभाई खांट की हत्या कर दी थी। नानाभाई खांट की हत्या वाले दिन ही भील बालिका वीरांगना काली बाई भी पुलिस की गोली का शिकार होकर शहीद हो गई थी।

- शांतिलाल और आनंदीलाल उत्तरदायी शासन की स्थापना के अंतिम दौर में उदयपुर में पुलिस की गोली से शहीद हो गए थे।

प्रजामंडल आंदोलनों से प्रजातंत्र की नींव

- अंग्रेजों ने जब देश छोड़ा तो राजस्थान में 19 रियासतें और 3 ठिकाने थे।
- राजस्थान में लोकतांत्रिक शासन की मांग को लेकर पहली राजनीतिक संस्था राजपूताना मध्य भारत सभा वर्ष 1918 में बनी जिसमें विजय सिंह पथिक और जमनालाल बजाज जैसे नेता शामिल थे। बाद में मारवाड़, मेवाड़, जयपुर आदि सभी रियासतों में प्रजामंडल आंदोलन तेज होते गए जिनका नेतृत्व अलग-अलग लोग कर रहे थे।
- प्रजामंडल आंदोलनों के लिए जनमत जुटाने में प्रेस भी मददगार हुई। वर्ष 1885 में 'राजपूताना गजट' और 1889 में 'राजस्थान समाचार' का प्रकाशन शुरू हुआ लेकिन ये कुछ समय बाद ही बंद हो गए। विजय सिंह पथिक ने 1920 में 'राजस्थान केसरी' पहले वर्धा से और बाद में अजमेर से प्रकाशित किया। वर्ष 1922 में राजस्थान सेवा संघ ने 'नवीन राजस्थान' का प्रकाशन किया। ऋषिदत्त मेहता ने 1923 में ब्यावर से 'राजस्थान' नामक साप्ताहिक निकाला। प्रजामंडलों का गठन हुआ तो राजाओं पर उत्तरदायी सरकारें गठित करने के लिए जनता का दबाव बढ़ता गया।
- मोतीलाल तेजावत के नेतृत्व में भी लंबे समय तक आदिवासी आंदोलन चला। विजय सिंह पथिक के नेतृत्व में चला मेवाड़ का बिजौलिया किसान आंदोलन भूमि सुधार और जमीन पर किसानों का स्वामित्व सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ।
- राजस्थान सेवा संघ के नेता रामनारायण चौधरी ने वर्ष 1922 में बिजौलिया समझौते के बाद सीकर को अपना कार्यक्षेत्र बना लिया। उन्होंने 'तरुण राजस्थान' में किसानों के पक्ष में लिखकर माहौल तैयार किया।
- जयपुर राज्य प्रजामंडल की जब 1938 में फिर से स्थापना हुई तो उसने शेखावाटी के किसान आंदोलन का समर्थन किया। राज्य में प्रजामंडल और किसान-आदिवासी आंदोलनों ने जो जनमत तैयार किया उससे देशी रियासतों का देश में विलय करवाने और राजस्थान में लोकतांत्रिक सरकार स्थापित करने में बड़ी मदद मिली।

क्रांतिकारी बारहठ

केसरी सिंह बारहठ

- केसरी सिंह बारहठ प्रसिद्ध राजस्थानी कवि और स्वतंत्रता सेनानी थे। यह राजस्थान के चारण परिवार से थे जिनका जन्म 21 नवम्बर, 1872 को शाहपुरा रियासत के देवपुरा गांव में कृष्ण सिंह बारहठ के परिवार में हुआ था। सन् 1903 में उदयपुर रियासत के राजा फतेह सिंह को लार्ड कर्जन द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लेने से रोकने के उद्देश्य से उन्होंने 'चेतावनी रा चुंगट्या' नामक सोरठे रचे जिससे प्रभावित होकर राजा फतेह सिंह ने बैठक में भाग नहीं लिया।
- शाहपुरा के राजा नाहर सिंह के सहयोग से 2 मार्च, 1914 को उन्हें गिरफ्तार कर लिया और प्यारेलाल नामक साधु की हत्या और दिल्ली लाहौर षड्यंत्र केस में राजद्रोह का आरोप लगा 20 वर्ष का कारावास दे दिया गया। बाद में बिहार के हजारीबाग जेल में डाल दिया। जिस दिन केसरी सिंह को गिरफ्तार किया गया था उसी दिन से उन्होंने अन्न-जल त्याग दिया। हजारीबाग जेल से उन्हें अप्रेल, 1920 में मुक्त किया गया। वर्ष 1920-21 में सेठ जमनालाल बजाज के बुलावे पर केसरी सिंह वर्धा गए। वहां विजय सिंह पथिक के साथ मिलकर 'राजस्थान केसरी' नामक साप्ताहिक पत्रिका निकालना प्रारम्भ किया। वर्धा में केसरी सिंह बारहठ महात्मा गांधी के सम्पर्क में आए।
- केसरी सिंह के प्रमुख ग्रंथ - प्रतापसिंह चरित्र, रूठी रानी, कुसुमांजलि, दुर्गादास चरित्र रहे। यह डिंगल भाषा के कवि थे।
- भीलवाड़ा की शाहपुरा तहसील में स्मारक ठाकुर केसरी सिंह बारहठ की हवेली के नाम से है। इस हवेली का निर्माण 19वीं सदी में हुआ था। यह हवेली राजस्थान सरकार द्वारा 1974 ईस्वी में पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग के संरक्षित स्मारकों की सूची में सम्मिलित की गई, जिसे बाद में संग्रहालय के रूप में विकसित किया गया।

जोरावर सिंह बारहठ

- ठाकुर केसरी सिंह बारहठ के छोटे भाई जोरावर सिंह बारहठ का जन्म 12 सितम्बर, 1883 को उदयपुर में हुआ।

- रासबिहारी बोस ने लार्ड हार्डिंग्ज बम कांड को मूर्त रूप देने के लिए जोरावर सिंह और प्रताप सिंह (भतीजा) को बम फेंकने की जिम्मेदारी सौंपी। 23 दिसम्बर, 1912 को वायसराय लार्ड हार्डिंग्ज का जुलूस दिल्ली के चांदनी चौक से गुजर रहा था। चांदनी चौक स्थित पंजाब नेशनल बैंक की छत पर भीड़ में जोरावर सिंह और प्रताप सिंह बुरके में थे। जैसे ही जुलूस सामने से गुजरा, जोरावर सिंह ने हार्डिंग्ज पर बम फेंका लेकिन पास खड़ी महिला के टकरा जाने से निशाना चूक गया और हार्डिंग्ज बच गया। छत्ररक्षक महावीर सिंह मारा गया।
- जोरावर सिंह को वर्ष 36 वर्ष तक की अवधि में अंग्रेज सरकार गिरफ्तार नहीं कर सकी। 17 अक्टूबर, 1939 को उनका निधन हो गया।

प्रताप सिंह बारहठ

- ठाकुर केसरीसिंह बारहठ के पुत्र प्रताप सिंह बारहठ का जन्म 24 मई, 1893 को उदयपुर में हुआ था। पांच साल की कठोर सजा सुनाए जाने के बाद बरेली जेल में यातनाएं सहते हुए 24 मई, 1918 को इनका निधन हो गया।

स्वाधीनता संग्राम के भामाशाह योद्धा

- ग्वालियर में नगर सेठ अमरचंद बांठिया ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई और तांत्या टोपे की उस समय दिल खोलकर आर्थिक मदद की थी जब उनके पास हथियारों और रसद का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया था। परिणामस्वरूप उन्हें राजद्रोह के आरोप में फांसी पर झूलना पड़ा। अंग्रेजों ने उनके शव को तीन दिन तक उसी फंदे से लटकाए रखा था।
- ब्यावर निवासी सेठ दामोदरदास ने 1905 में बंगाल के स्वदेशी आंदोलन में अपनी मिलों के कपड़ों की आपूर्ति के साथ कदम रखा। बाद में 1909 में उन्होंने जननायक अरविन्द घोष से मुलाकात कर एकमुश्त दो लाख रुपए भेंट किए। साथ ही कहा - 'आप देश को आजाद कराइए, पैसे-टके की कमी नहीं आने दूंगा।'
- गांधीजी के 5वें पुत्र कहे जाने वाले सेठ जमनालाल बजाज ने रईसी, वैभव और रायबहादुर के खिताब का परित्याग कर अपने खजाने का द्वार देश के लिए खोल दिया था।
- ब्यावर के घीसूलाल जाजोदिया खुद का कमाया और पूर्वजों का संचित धन देश की स्वाधीनता के यज्ञ में देकर फक्कड़ हो गए थे। उन्होंने जीवन की अंतिम सांसें भी आर्थिक तंगी में लीं।
- नागौर में जन्में नृसिंहदास अग्रवाल ने अपना सर्वस्व गांधीजी के चरणों में समर्पित कर दिया। उन्होंने सन् 1916 में अपने मित्रों को आर्थिक मदद कर 'भारत तिलक' साप्ताहिक का प्रकाशन शुरू करवाया। मद्रास में यह पहला हिंदी साप्ताहिक था। राष्ट्र विरोधी समाचारों के प्रकाशन का आरोप लगाते हुए उन्हें दो साल कैद की सजा सुनाई गई। उन्होंने ब्यावर में राजस्थान खादी मण्डल की स्थापना की जो आगे चलकर राजस्थान चरखा संघ में परिणित हो गया।

अगस्त क्रांति

- महात्मा गांधी की प्रेरणा से अगस्त, 1920 की पहली तारीख को असहयोग आंदोलन शुरू हुआ था। 5 फरवरी, 1922 को चौरी-चौरा कांड हुआ था। 12 फरवरी को गांधीजी तत्काल आंदोलन को वापस ले लिया। अंग्रेजों ने उन्हें 10 मार्च, 1922 को गिरफ्तार कर लिया और 6 साल की सजा सुनाई गई।
- 8 अगस्त, 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ। गांधी सहित तमाम बड़े नेता जेल में डाल दिए गए।

राजस्थान में भारत छोड़ो आंदोलन

- अगस्त, 1942 में बम्बई की बैठक में महात्मा गांधी ने 'भारत छोड़ो' आन्दोलन का ऐलान किया। गांधी ने देशी राज्यों के प्रजामण्डलों के नेताओं को सलाह दी कि उन्हें अपने-अपने शासकों को पत्र भेजकर ब्रिटिश सार्वभौम सत्ता से सम्बन्ध तोड़ने की मांग करनी चाहिए। मेवाड़ प्रजामण्डल के अध्यक्ष माणिक्यलाल वर्मा ने 29 अगस्त, 1942 को एक पत्र द्वारा महाराणा से अंग्रेजी सत्ता से सम्बन्ध तोड़ने और राज्य में उत्तरदायी शासन स्थापित करने की मांग की। उसी रात्रि को माणिक्यलाल वर्मा, बलवंतसिंह मेहता, मोहनलाल सुखाड़िया, नरेन्द्रपाल सिंह चौधरी और मोतीलाल तेजावत आदि नेता गिरफ्तार कर लिए गए।
- मारवाड़ लोक परिषद् ने 'भारत छोड़ो' आन्दोलन के शुरू होने से पूर्व ही मई, 1942 में राज्य में उत्तरदायी शासन स्थापित करने की मांग को लेकर आन्दोलन का ऐलान कर दिया था।
- 26 मई को परिषद् के सर्वोच्च नेता जयनारायण व्यास गिरफ्तार कर लिए गए। मथुरादास माथुर, अचलेश्वर प्रसाद शर्मा, अभयमल जैन, छगनराज चौपासनीवाला,

रणछोड़दास गट्टानी, बालमुकुन्द बिस्सा आदि कार्यकर्ता भी पकड़ लिए गए। इन नेताओं ने जेल में दुर्व्यवहार और दमन के विरुद्ध भूख हड़ताल कर दी। इस प्रकरण में बालमुकुन्द बिस्सा शहीद हो गए।

लोकमान्य तिलक

- लोकमान्य तिलक ने कहा था कि 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और इसे मैं लेकर रहूंगा' तिलक ने दो अखबार निकाले- 'मराठा' और 'केसरी'। मराठा अंग्रेजी और केसरी मराठी में थे। जेल में 'गीता रहस्य' और 'दक्षिणी ध्रुव पर आर्य' लिखीं।

विदेशी वस्त्रों की होली

- 1929 में लाहौर में होने वाले अधिवेशन में भाग लेने के लिए बीकानेर से रघुवर दयाल गोयल, ईश्वर दयाल वकील और सरदार निरंजन सिंह पहुंचे। उसी अधिवेशन में पंडित नेहरू ने पहली बार भारत के लिए पूर्ण स्वराज्य की घोषणा के साथ प्रतिवर्ष 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस मनाने का आह्वान किया था।
- दिसम्बर, 1931 में लंदन में आयोजित गोलमेज सम्मेलन में महात्मा गांधी ने कांग्रेस का प्रतिनिधित्व किया। उस सम्मेलन में बीकानेर नरेश भी थे। वहां दैनिक जन्मभूमि के संचालक अमृत भाई सेठ के प्रयास से एक पर्चा बांटा गया जिसमें बीकानेर रियासत में हो रहे नागरिक अधि कारों के हनन, पक्षपात, जुल्म, ज्यादतियों आदि का पूरा विवरण था। बाद में बीकानेर षड्यंत्र कांड के तहत सभी स्वतंत्रता सेनानियों को गिरफ्तार कर लिया गया। चूरू के महंत गोपालदास, चंदनमल बहड़, सोहन लाल शर्मा, भादरा के लाला खूबीराम सर्राफ, सत्यनारायण सर्राफ, राजगढ़ के बद्री प्रसाद सरावगी आदि को अलग-अलग जेलों में रखकर भयंकर यातनाएं दी गईं।
- गांधीजी के आह्वान पर बाबू मुक्ता प्रसाद के नेतृत्व में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई गई। 20 सितम्बर, 1932 को महात्मा गांधी के आमरण अनशन पर बैठने पर बीकानेर भी उनके साथ था और बाबू मुक्ता प्रसाद सार्वजनिक रूप से उपवास पर बैठे।
- जनता में राष्ट्रीय भावना जाग्रत करने के उद्देश्य से 4 अक्टूबर, 1936 को बीकानेर राज्य मंडल का गठन किया गया। जिसके पहले अध्यक्ष वैद्य मघाराम बनाए गए। इस संगठन की गतिविधियों से घबराकर बीकानेर नरेश ने प्रजामंडल के अध्यक्ष मघाराम सहित बाबू मुक्ता प्रसाद, लक्ष्मीदास स्वामी अथक, भिक्षा लाल बोहरा आदि को बीकानेर रियासत से निर्वासित कर दिया।
- 22 जुलाई, 1942 को बाबू रघुवर दयाल गोयल की अध्यक्षता में रावतमल पारीक के निवास पर बीकानेर राज्य परिषद् का गठन किया गया। सात दिवस पश्चात् 21 जुलाई, 1942 को महाराजा द्वारा इसे अवैध घोषित करके रघुवर दयाल गोयल को निर्वासन की सजा दे दी गई। निर्वासन की आज्ञा की अवहेलना करते हुए 21 सितम्बर, 1942 को बीकानेर राज्य में उन्होंने पुनः प्रवेश किया तो उन्हें और उनके अन्य साथियों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया।
- झंडा सत्याग्रह के तहत बीकानेर में 9 दिसम्बर, 1942 को रामनारायण शर्मा ने वेदों के चौक में बीकानेर के इतिहास में पहली बार तिरंगा झंडा फहराया।

स्वतंत्रता आंदोलन में राजस्थानी कवियों का योगदान

- बोबासर (चूरू) के कवि शंकरदान सामौर ने तांत्या टोपे की मदद की। तांत्या टोपे जब लक्ष्मणगढ़ के किले में घिर गए तो सामौर ने उन्हें वहां से निकाला।
- केशरीसिंह बारहठ ने 'चेतावणी रा चूंगटिया' के माध्यम से मेवाड़ के महाराणा फतेहसिंह को 1903 में दिल्ली में आयोजित लॉर्ड कर्जन के दरबार में जाने से रोका। 'राज-परजा संवाद' के केशरीसिंह बारहठ के रचना है।
- जयनारायण व्यास ने 'आगीवांण' शीर्षक से पत्र निकाला। 'मत दूध लजाइजै', 'राम नैं ओलमो', 'म्हानैं इसड़ो दीज्यो राज' उनकी प्रसिद्ध कविताएं हैं।
- सूर्यमल्ल मिश्रण की 'वीर सतसई', माणिक्यलाल वर्मा की 'अरजी पंचारी' व 'पंछीडा', भैंरूलाल की 'काला बादल', कन्हैयालाल सेठिया की 'कुण जमीन रो धणी' कालजयी रचनाएं हैं।

स्वाधीनता आन्दोलन में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान

- राजस्थान का प्रथम मुद्रणालय भरतपुर में स्थापित हुआ। वहां से प्रदेश का पहला अखबार 'मजरुल सरूर' उर्दू-हिन्दी में छपा। इसका प्रकाशन वर्ष 1849 माना जाता है।
- जयपुर से त्रिभाषी 'जयपुर गजट' का 1878 से प्रकाशन हुआ।
- राजस्थान की प्रथम साहित्यिक पत्रिका 'विद्यार्थी सम्मिलित हरिश्चन्द्र चन्द्रिका और मोहन चन्द्रिका' (विद्यार्थी नाम

बाद में जुड़ा) का 1881 में नाथद्वारा से प्रकाशन शुरू हुआ। मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या के सम्पादन में इस पत्रिका में बाबू हरिश्चन्द्र से लेकर जाने माने लेखक आत्मउजास के रंग भरते।

- हिन्दी की पत्रिका 'समालोचक' का 1902 में जयपुर से जवाहरलाल जैन वैद्य ने प्रकाशन शुरू किया।
- आबूरोड से 1910 से 'हिन्दी साहित्य ग्रंथावली' और 1920 में झालावाड़ से 'सौरभ' ने मानवमात्र की स्वतंत्रता पर बल दिया।
- 1922 से अजमेर से प्रकाशित 'नवीन राजस्थान' ने रियासती जनता पर किए दमन का विरोध किया। प्रतिबंध लगने पर इसे 'तरुण राजस्थान' के रूप में छापा गया।
- 1922 से फतेहपुर (सीकर) से प्रकाशित 'श्री स्वदेश' में देशभक्ति के रंग थे। 1923 में ब्यावर, फिर अजमेर और बाद में ब्यावर से प्रकाशति 'राजस्थान' के सम्पादक ऋषिदत्त मेहता और उनके परिवार ने स्वाधीनता आन्दोलन के लिए कुर्बानियां दीं।
- हरिभाऊ उपाध्याय के सम्पादन में 'त्यागभूम' का प्रकाशन अजमेर से हुआ।
- अजमेर से 1930 में जगदीश प्रसाद दीपक ने नारी चेतना के लिए 'मीरा' की शुरुआत की।
- 1932 में लाड़लीनारायण गोयल के सम्पादन में मासिक 'प्रभात' का लक्ष्य राजस्थानियों में स्वाभिमान पैदा करना रहा। बाद में यह दैनिक हो गया।
- 1925 में प्रियतमलाल कामदार ने 'जयपुर समाचार' निकाला। इसे रियासती दमन झेलना पड़ा।
- 1936 में रामनारायण चौधरी ने अजमेर से राजस्थान सेवक मण्डल के स्वामित्व में 'नवज्योति' की शुरुआत की। बाद में अखबार पूरी तरह रामनारायण को सौंप दिया गया। कुछ समय बाद उन्होंने इसका पूर्ण दायित्व अपने छोटे भाई दुर्गाप्रसाद चौधरी को दिया जिन्होंने इसे साप्ताहिक से दैनिक बनाया।
- 1936 में ही जयनारायण व्यास ने पाक्षिक 'आगीवाण' राजस्थानी में निकाला। 1938 में जोधपुर से अचलेश्वर प्रसाद शर्मा ने 'प्रजासेवक' का प्रकाशन किया।
- 1939 में अजमेर से ठाकुर नारायण सिंह के सम्पादन में 'नवजीवन' ने स्वराज आन्दोलन का साथ दिया। कनक मधुकर भी इसके सम्पादक बने। 1939 में ही जयपुर से प्रकाशित हुए 'प्रकाश' की कमलादेवी राजस्थान की पहली महिला सम्पादिका रही।
- सितम्बर, 1940 में जयपुर से गुलाबचन्द काला ने पाक्षिक 'जयभूमि' का प्रकाशन शुरू किया। 1943 में यह पाक्षिक और 1946 में दैनिक हो गया।
- जयपुर से ही जुलाई, 1940 से 'हितैषी' का प्रकाशन हुआ। इसी वर्ष यू.एन. चक्रवर्ती ने जयपुर से 'इंडियन इंडिया' का प्रकाशन शुरू किया। 1941 में जयपुर से वासुदेव शर्मा ने 'राजस्थान टाइम्स' का प्रकाशन किया।
- 1942 में श्यामलाल वर्मा के सम्पादन में जयपुर से प्रकाशित 'जयपुर समाचार' की तीखी भाषा के कारण प्रकाशन पर रोक लगा दी गई। 1942 में ही जयपुर से शुरू हुई 'जयध्वनि' का संघर्ष अंग्रेजों से ज्यादा था। इसी वर्ष केशरलाल अजमेरा जैन ने भी जयपुर से 'राजस्थान हैराल्ड' का प्रकाशन कर स्वातंत्र्य चेतना पर बल दिया।
- 1943 में जयपुर से देवीशंकर तिवारी के सम्पादन में साप्ताहिक 'लोकवाणी' का प्रकाशन शुरू हुआ। बाद में यह दैनिक हो गया। 1943 में ही कुंजबिहारी लाल मोदी ने अलवर से 'अलवर पत्रकिा' का प्रकाशन प्रजामण्डल और राष्ट्रीयता के प्रचार के लिए किया।
- रूपनारायण पाण्डे और नन्दकिशोर पारीक ने जयपुर से 'पारीक' और प्रियतमलाल कामदार ने जयपुर से 'प्रचार' का 1945 में प्रकाशन किया। इसी वर्ष भरतपुर से युगलकिशोर चतुर्वेदी के सम्पादन में 'नवयुग सन्देश' छपने लगा।
- जयपुर से 1946 में रतनलाल जोशी के सम्पादन में बाल मासिक 'भाई बहन', शीतल प्रसाद साहित्य रत्न के सम्पादन में 'आजाद सैनिक' और नन्दकिशोर पारीक के सम्पादन में प्रदेश के पहले सिने मासिक 'चांदनी' और अद्भुत शास्त्री के सम्पादन में 'मारवाड़ी गौरव' के प्रकाशन की शुरुआत हुई।

सागरमल गोपा की वीर गाथा

- जैसलमेर में 03 नवम्बर, 1900 को ब्राह्मण परिवार में जन्मे सागरमल गोपा के पुरखे राजपरिवार में राजगुरु रहे। उनके पिता भी जैसलमेर रियासत में सेवारत थे लेकिन युवा सागरमल ने आजादी की लड़ाई में जैसलमेर महाराजा जवाहर सिंह की उदासीनता से खिन्न होकर जनजागरण का बिगुल बजा दिया। 'जैसलमेर राज्य का गुंडाराज', 'आजादी के दीवाने' और 'रघुनाथ सिंह का मुकदमा' जैसी अपनी बेबाक किताबों से सागरमल गोपा ने अवाम में विद्रोह के स्वर मुखर कर दिए। उन्हें 25

मई, 1941 को गिरफ्तार कर लिया गया। जेल में भारी अत्याचार के बार 4 अप्रेल, 1946 को पुलिस अधीक्षक गुमान सिंह ने आवेश और आक्रोश में आकर गोपा को जेल में जिंदा जला डाला।

तारीखों के आईने में आऊवा का संघर्ष

- 8 सितम्बर, 1857 (बिठोड़ा का युद्ध) :- आसोप के ठाकुर शिवनाथ सिंह, आलणियावास के ठाकुर अजीत सिंह, गुलर के ठाकुर बिशन सिंह आदि अपने साथियों के साथ आऊवा पहुंचे। बिठोड़ा में युद्ध हुआ। युद्ध में जोधपुर के किलेदार अनाड़ सिंह मारे गए, अंग्रेज और मारवाड़ की सेना भाग खड़ी हुई। बिठोड़ा के युद्ध में ठाकुर कुशाल सिंह आऊवा के नेतृत्व में क्रांतिकारी विजयी हुए।
- 18 सितम्बर, 1857 (चेलावास का युद्ध) :- राजपूताना के एजीजी सर पेट्रिक लॉरेन्स और मारवाड़ के पॉलिटिकल एजेंट मॉक मेसन ने अंग्रेज और मारवाड़ सेना के साथ आऊवा पर चढ़ाई की। चेलावास में क्रांतिकारियों के दल और अंग्रेज-मारवाड़ सेना के बीच घमासान हुआ। क्रांतिकारियों के सामने अंग्रेज-मारवाड़ की सेना टिक नहीं पाई। क्रांतिकारियों ने मॉक मेसन को मौत के घाट उतार कर उसका सिर आऊवा के किले के मुख्य द्वार पर लटका दिया। पेट्रिक लॉरेन्स मैदान छोड़कर भागने लगा तो अंग्रेज-मारवाड़ सेना भी भाग खड़ी हुई। इस युद्ध को गोरे-काले का युद्ध भी कहा जाता है। इस जीत से उत्साहित क्रांतिकारियों ने शिवदान सिंह आसोप के नेतृत्व में दिल्ली कूच किया लेकिन अंग्रेज पलटन ने उनकी राह रोक दी।
- 20 जनवरी, 1857 (आऊवा का युद्ध):- अपनी हार का बदला लेने के लिए भारत के तत्कालीन गवर्नर लॉर्ड कैनिंग ने कर्नल होम्स के नेतृत्व में एक सेना आऊवा भेजी। 1857 की क्रांति की विफलता के बाद क्रांतिकारी कमजोर पड़ गए थे। मौका देखकर अंग्रेज सेना ने आऊवा पर हमला कर दिया। आऊवा के ठाकुर कुशाल सिंह ने अंग्रेज सेना का डटकर मुकाबला किया लेकिन संख्याबल बहुत कम होने के कारण युद्ध में कुशाल सिंह को पराजय झेलनी पड़ी। उनको कोठारिया के राव जोधसिंह के पास शरण लेनी पड़ी।
- 8 अगस्त, 1860 (संघर्ष... आत्मसमर्पण) :- ठाकुर कुशाल सिंह आऊवा को अंग्रेजों के कब्जे से छुड़ाने के लिए संघर्ष करते रहे लेकिन संघर्ष करते-करते 8 अगस्त, 1860 में उन्होंने नीमच में अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। मेजर टेलर की अध्यक्षता में गठित जांच आयोग ने उनको निर्दोष माना। 10 नवम्बर, 1860 को उनको रिहा कर दिया गया।
- 1868 (बेटे ने फिर जीता आऊवा) :- ठाकुर कुशाल सिंह के देहांत के बाद उनके बेटे देवीसिंह ने आऊवा को अंग्रेजों के कब्जे से मुक्त करवाने के लिए प्रयास शुरू किए। उन्होंने वर्ष 1868 में पोकरण, कुचामन, नीमच, रायपुर, रास, खेजड़ला तथा चंडावल के जागीरदारों की मदद से आधी रात को आऊवा के दुर्ग पर हमला कर दिया। अंग्रेज सेना भाग खड़ी हुई।
- दो दिन सुनवाई, 24 को मौत :- आऊवा में स्वतंत्रता सेनानियों के गढ़ को खत्म करने के लिए 24 जनवरी, 1858 को 120 सैनिकों को गिरफ्तार किया था। दो ही दिन में 25 जनवरी, 1858 को कोर्ट में 24 स्वतंत्रता सेनानियों को मृत्यु दंड की सजा सुनाई गई। उन्हें एक साथ लाइन में खड़ा करके तोपों से उड़ाकर मौत के घाट उतार दिया गया।
- सुगाली माता आऊवा की कुलदेवी रही हैं। कहा जाता है कि आऊवा पर कब्जा करने के बाद अंग्रेज सुगाली माता की प्रतिमा से भी डरने लगे थे। उनको भय था कि देवी के चमत्कार से उनकी शक्ति कम हो रही है। भयभीत अंग्रेजों ने इस प्रतिमा को खंडित करके आऊवा के किले से हटा दिया। अंग्रेज इस मूर्ति को पहले माउंट आबू ले गए और वहां से 1908 में अजमेर में राजपूताना म्यूजियम खुलने पर देवी की यह मूर्ति अजमेर म्यूजियम में स्थापित कर दी गई, जिसे आजादी के बाद पाली म्यूजियम में रखा गया।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने 14 अगस्त, 1947 की मध्यरात्रि में वायसराय लॉज (वर्तमान में राष्ट्रपति भवन) में ऐतिहासिक भाषण 'ए ट्रिस्ट विद् डेस्टनी' (नियति से साक्षात्कार) दिया था।

5 रक्षा/विज्ञान प्रौद्योगिकी

■ एंटी टैंक मिसाइल ध्रुवास्त्र

भारतीय सेना ने 15-16 जुलाई, 2020 को एंटी टैंक मिसाइल 'ध्रुवास्त्र' का ओडिशा के बालासोर से सफल परीक्षण किया। यह नाग मिसाइल का ही अपग्रेडेड वर्जन है। स्वदेश निर्मित इस मिसाइल की मारक क्षमता 7 किलोमीटर है।

■ दक्षिण कोरिया का पहला सैन्य उपग्रह 'ANASIS-2

दक्षिण कोरिया ने 20 जुलाई, 2020 को अपने पहले सैन्य उपग्रह 'ANASIS-2' का सफल प्रक्षेपण किया। उपग्रह का प्रक्षेपण अमेरिका के फ्लोरिडा से फाल्कन-9 रॉकेट द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य परमाणु हथियार सम्पन्न उत्तर कोरिया के खिलाफ अपना बचाव करना है।

■ यूएई का मंगल मिशन 'होप प्रोब'

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 20 जुलाई, 2020 को मंगल ग्रह के लिए अपने पहले अंतरिक्ष यान 'होप प्रोब' का सफल प्रक्षेपण किया। यह प्रक्षेपण जापान के तानेगाशिमा अंतरिक्ष केन्द्र से किया गया। यह मंगल ग्रह के वातावरण का अध्ययन करेगा। यह उपग्रह फरवरी, 2021 में मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश करेगा, तब यूएई अपनी स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मना रहा होगा।

■ नौसैनिक अभ्यास पासैक्स

'पासैक्स' भारत और अमेरिका का संयुक्त नौसैनिक अभ्यास है, जिसका आयोजन 20 जुलाई, 2020 को अण्डमान निकोबार द्वीप समूह के तट पर किया गया। अभ्यास में यूएसएस निमित्ज के साथ भारतीय नौसेना के युद्धपोतों शिवालिक, सह्याद्री, कामोर्ता और राणा ने भाग लिया।

■ चीन का मंगल मिशन 'तिआनवेन-1'

चीन ने 23 जुलाई, 2020 को हाईनाना द्वीप स्थित वनछांग प्रेक्षपण स्थल से मंगल ग्रह के लिए अपने अंतरिक्ष यान 'तिआनवेन-1' का प्रक्षेपण किया। यह अंतरिक्ष यान फरवरी, 2021 में मंगल ग्रह के गुरुत्वाकर्षण वाले क्षेत्र में प्रवेश करेगा। यह मंगल की मिट्टी, चट्टानों की संरचना, पर्यावरण, जल, वातावरण आदि की जानकारी एकत्र करेगा।

■ राफेल विमान भारतीय वायुसेना में शामिल

फ्रांस से उड़ान भरकर 5 राफेल विमान 29 जुलाई, 2020 को भारत के अंबाल वायुसेना स्टेशन पर पहुंचे। करीब 8500 किमी की दूरी तय कर भारत पहुंचे इन विमानों ने बीच में संयुक्त अरब अमीरात के अल धाफरा में ठहराव किया। उल्लेखनीय है भारत 36 राफेल विमानों की खरीद फ्रांस से कर रहा है। इसके लिए 23 सितम्बर, 2016 में फ्रांसीसी एयरोस्पेस कम्पनी दसौं एविएशन से 59,000 करोड़ रुपए का सौदा किया गया था।

यह भी जानें:-राफेल फ्रांस का डबल इंजन वाला और मल्टीरोल लड़ाकू विमान है। यह 4.5 जेनरेशन वाला लड़ाकू विमान है। विमान में मौजूद मीटीओर मिसाइ, SCALP क्रूज मिसाइल और MICA मिसाइल प्रणाली इसे सुरक्षा की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण बनाती हैं। राफेल 2,222.6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार और 50,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ सकता है। इस विमान की रेंज तकरीबन 3,700 किलोमीटर है यानी यह एक बार में लगभग 3,700 किलोमीटर तक बढ़ सकता है, हालांकि इस रेंज को मिड-एयर रीफ्यूलिंग के साथ बढ़ाया जा सकता है। राफेल अपने साथ एक बार में 9,500 किलोग्राम बम और गोला-बारूद ले जा सकता है।

■ अपतटीय गश्ती जहाज 'सार्थक'

भारतीय तटरक्षक बल के लिए अपतटीय गश्ती जहाज 'सार्थक' 13 अगस्त, 2020 को लॉन्च किया गया। 'सार्थक' पांच अपतटीय गश्ती जहाजों की श्रृंखला में चौथे स्थान पर है।

■ पोक्कली

पोक्कली चावल की किस्म है जो खारे जल के प्रतिरोध के लिए जानी जाती है। इसकी पैदावार केरल के तटीय जिलों अलाप्पुझा, एर्नाकुलम एवं त्रिशूर में की जाती है।

चर्चा में क्यों:-पश्चिम बंगाल में 20 मई, 2020 को 'अम्फान' चक्रवात आने के कारण सुंदरवन क्षेत्र में धान के खेतों में समुद्री जल/खारा जल भराव की समस्या उत्पन्न हो गई। इस कारण पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के किसान केरल की पोक्कली किस्म की रोपाई कर रहे हैं।

■ मार्स-2020 मिशन

नासा ने जुलाई, 2020 में मंगल ग्रह से संबंधित अपने 'मार्स 2020 पर्सीवरेंस रोवर मिशन' को लॉन्च किया। यह मंगल ग्रह पर प्राचीन जीवन के संकेतों की खोज करने और ग्रह से एकत्रित नमूनों को वापस पृथ्वी पर भेजने का कार्य करेगा। नासा के इस मिशन का मुख्य लक्ष्य यदि मंगल ग्रह पर जीवन है तो उसके संकेतकों का पता लगाना है।

■ साइक्लोस्पोरा

यह रोग 'साइक्लोस्पोरा सायेटानेंसिस' नामक सूक्ष्म एकल कोशिकीय परजीवी के कारण होता है। दूषित भोजन या जल जिसमें इस परजीवी की उपस्थिति होती है, के सेवन से लोगों में साइक्लोस्पोरा संक्रमण हो सकता है। यह आंतों से संबंधित बीमारी है जो सूक्ष्म परजीवी साइक्लोस्पोरा सायेटानेंसिस के कारण होती है। इस बीमारी में भूख न लगना एवं वजन में कमी, सूजन, मितली, निम्न-श्रेणी का बुखार, कमजोरी एवं दस्त जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

चर्चा में क्यों:- हाल ही में साइक्लोस्पोरा नामक बीमारी से संयुक्त राज्य अमेरिका के 11 राज्यों में 640 से अधिक लोगों प्रभावित हुए हैं।

■ ओफेक-16

इजराइल ने जुलाई, 2020 में उपग्रह 'ओफेक-16' लॉन्च किया। यह उपग्रह सैन्य उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए उच्च गुणवत्ता वाले निगरानी डेटा प्रदान करेगा। इसका प्रक्षेपण इजराइल के 'शेविट' रॉकेट से किया गया।

■ कुइझोउ-11

कुइझोउ-11 नाम का चीनी रॉकेट जुलाई, 2020 में उड़ान के दौरान आई खराबी के कारण विफल हो गया, जिसके कारण अंतरिक्ष में ले जाए जा रहे दो उपग्रह भी नष्ट हो गए। इस चीनी रॉकेट को वाणिज्यिक लॉन्च 'फर्म एक्सपेस' द्वारा संचालित किया गया था।

■ कवकाज-2020 अभ्यास

यह एक रणनीतिक कमांड-पोस्ट अभ्यास है, जिसे काकेशस- 2020 के रूप में भी जाना जाता है। यह त्रिकोणीय सेवा अभ्यास रूसी सेना द्वारा प्रति चार वर्ष में किया जाने वाला अभ्यास का हिस्सा है। यह अभ्यास पूर्व में वर्ष 2012 और वर्ष 2016 में आयोजित किया गया था। वर्ष 2020 का अभ्यास, दक्षिणी रूस के अस्त्राखान प्रांत में आयोजित किया जाएगा। इस अभ्यास में 'शंघाई सहयोग संगठन' के सदस्य देश और अन्य मध्य एशियाई देश भाग लेंगे।

चर्चा में क्यों:-कोविड-19 महामारी के चलते भारत ने रूस में होने वाले 'बहुराष्ट्रीय त्रिकोणीय सर्विस अभ्यास' कवकाज- 2020 से अपनी भागीदारी को वापस ले लिया है।

6 आर्थिक घटनाक्रम

■ म्यूचुअल फंड पर सलाहकार समिति

'भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड' (SEBI) ने म्यूचुअल फंड उद्योग के विनियमन और विकास से संबंधित मामलों पर सलाह देने वाली समिति का जुलाई, 2020 में पुनर्गठन किया है। 20 सदस्यीय इस समिति का प्रमुख आरबीआई की पूर्व डिप्टी गवर्नर उषा थोराट को बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व वर्ष 2013 में गठित इस समिति में 15 सदस्य थे और इसके अध्यक्ष आरबीआई के पूर्व चेयरमैन जानकी वल्लभ थे।

■ पीएम एफएमई योजना

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के एक भाग के रूप में 'पीएम फरमलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज (PM FME) योजना का शुभारंभ 29 जून, 2020 को किया। योजना से कुल 35,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा और इससे 9 लाख कुशल व अद्धकुशल रोजगार सृजित होंगे। इस योजना का उद्देश्य मौजूदा सूक्ष्य खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के उन्नयन के लिए वित्तीय, तकनीकी और व्यावसायिक सहायता प्रदान करना है।

■ अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार

केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जुलाई, 2020 में जारी आंकड़ों के अनुसार अमेरिका लगातार दूसरे वर्ष 2019–20 में भी भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बना हुआ है। वित्तीय वर्ष 2019–20 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 88.75 अरब डॉलर का रहा, जो वर्ष 2018–19 में 87.96 अरब डॉलर था।

■ विश्व बैंक व भारत के बीच MSME हेतु समझौता

भारत सरकार तथा विश्व बैंक ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) के लिए 'आपातकालीन प्रतिक्रिया उपाय कार्यक्रम' हेतु 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण समझौते पर 6 जुलाई, 2020 को हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य कोविड–19 ये प्रभावित MSME के वित्त प्रवाह को बढ़ावा देने में सहायता करना है।

■ 'पारदर्शी कराधान–ईमानदार का सम्मान' मंच

देश के ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहित करने और कर प्रणाली में पारदर्शिता की वृद्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 अगस्त, 2020 को 'पारदर्शी कराधान–ईमानदार का सम्मान' मंच का शुभारंभ किया। इस प्लेटफार्म में फेसलेस असेसमेंट, फेसलेस अपील और करदाता चार्टर जैसे सुधारों को समाहित किया गया है।

■ भारत-श्रीलंका के बीच मुद्रा विनिमय समझौता

श्रीलंका ने भारतीय रिजर्व बैंक के साथ 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मुद्रा विनिमय समझौते पर जुलाई, 2020 में हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता नवम्बर, 2022 तक मान्य होगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 'सार्क मुद्रा अदला–बदली फ्रेमवर्क' के तहत मुद्रा विनिमय सुविधा के लिए श्रीलंका के अनुरोध पर यह समझौता किया है।

मुद्रा विनिमय समझौता और उसका महत्वः- मुद्रा विनिमय एक प्रकार का विदेशी विनिमय समझौता होता है जो दो पक्षों के बीच एक मुद्रा के बदले दूसरी मुद्रा प्राप्त करने हेतु एक निश्चित समय के लिए किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य विदेशी मुद्रा बाजार और विनिमय दर में स्थिरता तथा अन्य जोखिमों से बचना होता है।

■ उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (Union Ministry of Micro- Small and Medium Enterprises) ने 01 जुलाई, 2020 को 'उद्यम रजिस्ट्रेशन पोर्टल' की शुरुआत की। अब MSME का पंजीकरण कराने के लिए पोर्टल पर कोई दस्तावेज अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है। इस नई पंजीकरण प्रक्रिया से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने तथा समय एवं लागत के कम होने के उम्मीद है।

■ निर्यात तत्परता सूचकांक

नीति आयोग ने इंस्टीट्यूट ऑफ कॉम्पिटेटिवनेस के साथ संयुक्त रूप से अगस्त, 2020 में निर्यात तत्परता सूचकांक (Export Preparedness Index-EPI) 2020 जारी किया है। राज्यों की निर्यात तत्परता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से तैयार किए गए निर्यात तत्परता सूचकांक 2020 में गुजरात को पहला स्थान प्राप्त हुआ है। दूसरा और तीसरा स्थान क्रमशः महाराष्ट्र और तमिलनाडु को मिला है। शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त करने वाले अन्य राज्यों में राजस्थान, ओडिशा, तेलंगाना, हरियाणा, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और केरल शामिल हैं। समग्र तौर पर निर्यात तत्परता के मामले में भारत के तटीय राज्यों का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा और इस सूचकांक में शीर्ष 10 राज्यों में से 6 तटीय राज्य हैं। पूरी तरह से भू–सीमा से घिरे हुए राज्यों में राजस्थान ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसके बाद तेलंगाना और हरियाणा का स्थान है। हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड को पहला स्थान, जबकि त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है।

7 खेल जगत्

क्रिकेट

यूएई में होगा आईपीएल-13

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें संस्करण का आयोजन 19 सितम्बर-10 नवम्बर, 2020 को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तीन शहरों अबूधाबी, शारजाह और दुबई में किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2 अगस्त, 2020 को आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की बैठक में यह निर्णय किया।

धोनी व रैना का सन्यास

भारतीय क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी और सुरेश रैना ने 15 अगस्त, 2020 को अन्तरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा की। धोनी ने अपने 16 वर्ष के अन्तरराष्ट्रीय कॅरियर में 90 टेस्ट, 350 वन-डे और 98 टी-20 मैच खेले हैं। वहीं, रैना ने अपने 15 साल के अन्तरराष्ट्रीय कॅरियर में 18 टेस्ट, 226 वन-डे और 78 टी-20 मैच खेले हैं।

एशिया कप टूर्नामेंट स्थगित

कोविड-19 के बढ़ते मामलों को मद्देनजर रखते हुए एशियाई क्रिकेट परिषद (Asian Cricket Council-ACC) ने इसी वर्ष सितंबर माह में आयोजित होने वाले एशिया कप टूर्नामेंट को जून 2021 तक स्थगित कर दिया है। एशिया कप टूर्नामेंट के स्थगित होने के साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (International Cricket Council-ICC) भी इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर माह में आयोजित होने वाले टी-20 विश्व कप को स्थगित करने की घोषणा पर विचार कर रहा है।

शतरंज

जी.आकाश भारत के 66वें ग्रैंड मास्टर

तमिलनाडु के जी. आकाश भारत के 66वें ग्रैंड मास्टर बने हैं। जुलाई, 2020 में हुई अन्तरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ की परिषद की बैठक में यह निर्णय किया गया। उल्लेखनीय है कि गुजरात के साधवानी (13) 65वें ग्रैंड मास्टर बने थे।

यह भी जानें:- ग्रैंडमास्टर वह सर्वोच्च खिताब होता है जिसे एक शतरंज खिलाड़ी द्वारा अपने कॅरियर में प्राप्त किया जा सकता है। यह खिताब विश्व में शतरंज के सर्वोच्च शासी निकाय यानी अंतरराष्ट्रीय शतरंज संघ (FIDE) द्वारा प्रदान किया जाता है। एक बार यह खिताब प्राप्त करने के पश्चात् यह जीवन भर व्यक्ति के साथ रहता है, हालांकि कुछ विशेष परिस्थितियों में इसे खिलाड़ी से वापस लिया जा सकता है।

शतरंज ओलंपियाड

30 अगस्त 2020 को भारत ने पहली बार शतरंज ओलंपियाड जीतकर इतिहास रच दिया। भारत को ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड के फाइनल मुकाबले में रूस के साथ संयुक्त विजेता घोषित किया गया। भारत ने पहली बार इस ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीता है, जबकि रूस ने इसे 24 बार (18 बार सोवियत संघ) जीता है।

गोल्फ

पीजीए चैम्पियनशिप-2020

पीजीए टूर, 2020 की गोल्फ प्रतियोगिता 'पीजीए चैम्पियनशिप' का आयोजन 6-9 अगस्त, 2020 को अमेरिका के सेन फ्रांसिस्को में किया गया। अमेरिका के कोलिन मोरिकावा ने इंग्लैंड के पॉल कैसी को शिकस्त देते हुए यह खिताब जीता।

स्नूकर

वर्ल्ड स्नूकर चैम्पियनशिप

वर्ल्ड स्नूकर चैम्पियनशिप का आयोजन 31 जुलाई से 16 अगस्त, 2020 के बीच इंग्लैंड में किया गया। रॉनी ओसुलिवान ने काइरेन विल्सन को हराकर छठी बार यह खिताब जीता।

फार्मूला वन रेस

ऑस्ट्रियन ग्रैं.प्रि.

इस सत्र की पहली फार्मूला वन रेस 'ऑस्ट्रियन ग्रैंड प्रिक्स' का आयोजन 5 जुलाई, 2020 को ऑस्ट्रिया के स्पिलबर्ग में किया गया।

विजेता - वाल्टेरी वोट्टास (फिनलैण्ड), मर्सिडीज टीम

द्वितीय - चार्ल्स लेकलर्क (मोनाको), फेरारी टीम

■ स्टाईरियन ग्रैं.प्रि.

फार्मूला वन रेस 'स्टाईरियन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन 12 जुलाई, 2020 को ऑस्ट्रिया के स्पिलबर्ग में किया गया।

विजेता – लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन), मर्सिडीज टीम

द्वितीय – वाल्टेरी वोट्टास (फिनलैण्ड), मर्सिडीज टीम

■ हंगेरियन गैं.प्रि.

फार्मूला वन रेस 'हंगेरियन ग्रैंड प्रिक्स' का आयोजन 19 जुलाई, 2020 को ऑस्ट्रिया के स्पिलबर्ग में किया गया।

विजेता – लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन), मर्सिडीज टीम

द्वितीय – मैक्स वेरस्टापेन (बेल्जियन), रेड बुल टीम

■ ब्रिटिश गैं.प्रि.

फार्मूला वन रेस 'ब्रिटिश ग्रैंड प्रिक्स' का आयोजन 2 अगस्त, 2020 को ब्रिटेन में किया गया।

विजेता – लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन), मर्सिडीज टीम

द्वितीय – मैक्स वर्सटाप्पेन (नीदरलैंड), रेडबुल टीम

■ 70वीं वर्षगांठ गैं.प्रि.

फार्मूला वन रेस की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित '70वीं वर्षगांठ ग्रैंड प्रिक्स' का आयोजन 9 अगस्त, 2020 को ब्रिटेन में किया गया।

विजेता – मैक्स वर्सटाप्पेन (नीदरलैंड), रेडबुल टीम

द्वितीय – लुईस हैमिल्टन (ब्रिटेन), मर्सिडीज टीम

चर्चित खिलाड़ी

■ विल्सन किपसांग

एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन करने पर 2013 के ओलम्पिक में कांस्य विजेता केन्या के एथलीट विल्सन किपसांग पर 4 वर्ष का प्रतिबंध लगाया है। यह प्रतिबंध 10 जनवरी, 2020 से प्रभारी माना जाएगा।

■ ड्वेन ब्रावो

वेस्टइंडीज के ऑल राउंडर और विश्व की विभिन्न टी-20 लीग में खेलने वाले ड्वेन ब्रावो क्रिकेट के इस सबसे छोटे प्रारूप में 500 विकेट हासिल करने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। टी-20 क्रिकेट में ब्रावो से पहले कोई भी गेंदबाज 500 विकेट नहीं ले सका है। दूसरे नंबर पर श्रीलंका के तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा है, जिन्होंने 390 विकेट लिए हैं। टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में तीसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के ही सुनील नरेन हैं। सुनील नरेन अब तक 339 मैचों में 383 विकेट ले चुके हैं।

बॉक्सिंग

■ एआईबीए की वर्ल्ड रैंकिंग

अन्तरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (AIBA) ने जुलाई, 2020 में महिला एवं पुरुष मुक्केबाजों की विश्व रैंकिंग जारी की है। विभिन्न भारवर्ग में 11 पुरुष एवं 13 महिलाओं ने रैंकिंग में जगह बनाई है।

पुरुष एलीटः-

मुक्केबाज	भारवर्ग	रैंक
♦ दीपक	49	6
♦ अमित	52	1
♦ कविन्दर सिंह	56	4
♦ शिवा थापा	60	16
♦ मनीष कौशिक	64	6
♦ रोहित टोकास	64	35
♦ आशीष	69	18
♦ आशीष कुमार	75	13
♦ संजीत	91	12
♦ नमन तंवर	91	35
♦ सतीश कुमार	+91	23

महिला एलीटः-

♦ मुक्केबाज	भारवर्ग	रैंक
♦ मंजू रानी	48	2
♦ एम.सी.	51	3
♦ पिंकी रानी	51	4
♦ जरीन निखत	51	21
♦ जमुना बोरो	54	5
♦ मनीषा	54	13
♦ सोनिया	57	4
♦ लेशराम सरिता देवी	60	25
♦ सिमरनजीत कौर	64	6
♦ सिमरनजीत कौर बाथ	64	9
♦ लोवलिना बोर्गोहिन	69	3
♦ पूजा रानी	81	8
♦ सीमा पूनिया	+81	6

Samyak
An Institute For Civil Services
अब
Digital Platform
पर भी
Live Class
Recorded Class
Mentorship
E-Notes
E-Library
Test Series
Test Solution
Samyak
An Institute For Civil Services
E-NOTES
IAS
LIVE CLASS
RAS
TEST SERIES
Dream | Believe | Achieve
Download
GET IT ON Google Play
Samyak App
www.samyakias.com /samyakiasjaipur /samyakiasjaipur /samyakiasjaipur